सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 11 ● अंक: 251 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शनिवार 18 अक्टूबर, 2025
मूल्य ₹ 3/-

आंख के बदले में आंख पूरे विश्व को अंधा बना देगी।
-महात्मा गाँधी

भारत और आस्ट्रेलिया के बीच पहला... 7
बिहार में किसे फायदा किसे नुकसान... 3
नकारात्मक सोच का प्रदर्शन करने... 2

बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए की एकता तार-तार!

» सीएम नीतीश कुमार के स्वास्थ्य को लेकर अटकलें तेज, अब 21 अक्टूबर से निकलेंगे प्रचार पर

» गठबंधन की दीवारों में दरारें गहरी होती जा रही हैं

» प्रथम चरण की नामांकन प्रक्रिया पूरी, लेकिन एनडीए में नहीं बन पा रही बात

» चुनावी मौसम में रोज नयी चुनौती का सामना करना पड़ रहा है एनडीए को

» दिल्ली की रणनीति पर भारी पड़ रही है बिहारी एनडीए दलों की आपसी सिर-फुटव्वल

» बीजेपी के पूर्व केन्द्रीय मंत्री और स्टार प्रचारक अश्वनी चौबे के पुत्र अर्जित शाश्वत ने भागलपुर से चुनाव लड़ने का किया ऐलान

» जेडीयू का एक और विधायक बागी, बरबीघा से सुदर्शन कुमार ने निर्दलीय दाखिल किया नामांकन

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव में पहले चरण के नामांकन की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है लेकिन बिहार की सत्ता का समीकरण अब भी सुलझा नहीं है। एनडीए में सीट बंटवारे को लेकर ऐसी सिरफुटव्वल मची है कि यह गठबंधन अब परिवार कम और कुश्ती का अखाड़ा ज़्यादा नजर आ रहा है।

जदयू में बगावत खुलेआम हो चुकी है। पार्टी के भीतर कई पुराने नेता टिकट न मिलने से नाराज हैं और निर्दलीय नामांकन दाखिल कर चुके हैं। वहीं लोजपा (रामविलास) को मिली चार विधानसभा सीटों पर नीतीश कुमार ने अपने उम्मीदवार उतार दिए हैं यानी दोस्ताना अब महज औपचारिक नाता बनकर रह गया है।

सीएम के स्वास्थ्य को लेकर भ्रम

कांग्रेस के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने नीतीश-अमित शाह की मुलाकात पर तंज कसते हुए नीतीश की सेहत

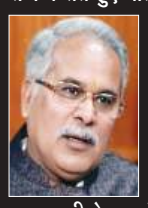

और सक्रियता पर सवाल उठाया है। इससे पहले चिराग पासवान भी सीएम नीतिश कुमार की हेल्थ को लेकर सवाल उठा चुके हैं उन्होंने तो यहां तक कह दिया था कि मुख्यमंत्री की जगह अब उनके अधिकारी शासन चला रहे हैं। हालांकि चुनावी मौसम और गृहमंत्री से मुलाकात के बाद उनके सुर बदले हैं और उन्होंने इंडिया गठबंधन पर सवाल दागे हैं।

कौन टिकेगा और कौन टूटेगा

बिहार विधानसभा चुनाव में मतदाता अब यह देख रहे हैं कि कौन टिकेगा और कौन टूटेगा। जदयू के बागियों की बढ़ती संख्या, लोजपा की बगावती मुद्रा और भाजपा के भीतर असंतोष ने मिलकर गठबंधन की एकता पर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। राजनीतिक विश्लेषक कह रहे हैं कि अगर यह हाल रहा तो एनडीए का प्रदर्शन पहले फेज में उम्मीद से काफी नीचे जा सकता है। कुल मिलाकर बिहार की राजनीति में फिलहाल चुनाव से ज़्यादा चुनौती का मौसम चल रहा है। एक तरफ नीतीश कुमार अपनी साख बचाने में जुटे हैं, तो दूसरी तरफ तेजस्वी यादव बदलाव के नारे के साथ जनता के दिल में उतरने की कोशिश कर रहे हैं। पहले चरण की वोटिंग से पहले ही यह साफ दिख रहा है कि बिहार की सियासत में बगावत की बेलें फल-फूल रही हैं और गठबंधन की दीवारों में दरारें गहरी होती जा रही हैं।

इस बार मामला ज्यादा नाजुक

बिहार की सियासत में यह नजारा नया नहीं लेकिन इस बार मामला ज़्यादा नाजुक है। नीतीश कुमार का दबदबा कमजोर पड़ रहा है और भाजपा के भीतर से भी आवाजें उठना शुरू हो चुकी है। पूर्व केन्द्रीय मंत्री अश्वनी चौबे जैसे सीनियर नेता के बेटे की बगावत ने पार्टी को असहज कर दिया है। यानी एनडीए की नाव में अब हर कोई अपनी पतवार चला रहा है। अमित शाह और जेपी नड्डा के लिए यह स्थिति सिरदर्द बन चुकी है। दिल्ली में लगातार मीटिंगें हो रही हैं लेकिन बिहार के ज़मीनी समीकरण दिल्ली की रणनीति पर भारी पड़ रहे हैं।

कांग्रेस राजद चुपचाप आगे बढ़ रहे हैं

वहीं विपक्ष बिल्कुल अलग मूड में है। राजद और कांग्रेस ने चुपचाप टिकट बंटवारा निपटा लिया है और अब मैदान में उतर चुके हैं। कांग्रेस ने आज अपने 40 स्टार प्रचारकों की सूची जारी की है जिसमें सोनिया गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी के नाम प्रमुख हैं। पार्टी ने संकेत दे दिया है कि वह इस बार फ्रंट फुट पर खेलेगी। राजद की ओर से तेजस्वी यादव लगातार जनसंपर्क में जुटे हैं। उनकी रणनीति साफ है।

सीएम-गृहमंत्री की मुलाकात

बिहार के सीएम नीतीश और केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह की मुलाकात को लेकर सियासी गलियारों में चर्चाओं का बाजार गर्म है। कहा जा रहा है कि यह औपचारिक बैठक नहीं थी बल्कि भविष्य की गारंटी मांगने की कोशिश थी। जदयू के भीतर सुगबुगाहट है कि नीतीश अब थक चुके हैं उनको लेकर जिन लोगों के टिकट कटे हैं वह बड़े बयान जारी कर रहे हैं। जदयू में खींचतान चरम पर है। इनही सब मुद्दों को लेकर व उनके चुनाव प्रचार अभियान की तारीखों को लेकर बैठक थी। बैठक मे तय किया गया है कि 21 अक्टूबर से नीतीश अपने चुनावी अभियान की शुरुआत करेंगे। पहली सभा मुजफ्फरपुर में तय है। लेकिन जनता के मन में सवाल वही तैर रहे हैं कि नीतीश किसके हैं?

'नकारात्मक सोच का प्रदर्शन करने वालों से सतर्क रहें'

सपा प्रमुख अखिलेश यादव बोले- सौहार्द बचा रहेगा तो त्योहार बचा रहेगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि कुछ लोग अपनी संकीर्ण राजनीति के लिए अपनी नकारात्मक सोच का प्रदर्शन करते रहते हैं। ऐसे लोग दिखावे के लिए ऊपरी तौर पर तो त्योहार मना सकते हैं लेकिन अच्छे और सच्चे मन के अभाव में कभी भी अंदर से ख़ुश नहीं हो सकते हैं।

यादव ने कहा कि नकारात्मक व्यक्ति, धीरे-धीरे हिंसक होने लगता है जिसका बहुत बुरा असर उसके अपने मन-मानस और स्वास्थ्य पर पड़ता है। वो बहुत जल्दी क्रोधित होने लगता है जिसका प्रभाव उसके अपने पारिवारिक और समाजिक संबंधों तक पर बेहद ख़राब तरीके से पड़ता है। इसीलिए सबसे आग्रह है कि अच्छा सोचें और सकारात्मक रहें, ख़ुद भी ख़ुश रहें और बाकी सबको भी ख़ुश रहने दें। मन हित में जारी, ख़ुशियों भरी हो सबकी दीवाली।

त्योहारों के ख़ुशनुमा माहौल में हम इनके लिए ये सकारात्मक प्रार्थना करते हैं कि ऐसे लोग अपने मन की कलुषता और ज़हर से बचे रहें और कभी अकेले में बैठकर सोचें कि पहले कभी उनके विचार और व्यवहार में ऐसी खटास या कड़वाहट थी क्या? अगर नहीं तो ये सोचें कि अब ऐसा क्यों हो रहा है, कहीं कोई उनके भोलेपन का फ़ायदा उठाकर उनका इस्तेमाल अपने राजनीतिक लाभ के लिए तो नहीं कर रहा है। कोई उनकी सोच को हिंसक बनाकर कहीं उनके मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ तो नहीं कर रहा है।

दीपावली पर प्रदेश और देशवासियों को दी बधाई

दीपावली पर प्रदेश और देशवासियों से कहा कि त्योहार परस्परता के प्रतीक होते हैं। किसी की माटी, किसी का दीया, किसी का सूत, किसी की बाती, किसी का तेल, किसी की खील, किसी का कपड़ा, किसी की सिलाई, किसी का खोआ, किसी की मिठाई, किसी का खिलौना, किसी का बताशा, किसी की फुलझड़ी, किसी का पटाखा, सौहार्द बचा रहेगा तो त्योहार बचा रहेगा।

बंगाल में अत्याचार पर क्यों चुप हैं नेता प्रतिपक्ष : बृजभूषण शरण सिंह

» बीजेपी नेता ने राहुल गांधी पर निशाना साधा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गोंडा। उत्तर प्रदेश की कैसरगंज संसदीय सीट से पूर्व सांसद व भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) नेता बृजभूषण शरण सिंह ने अमेठी सांसद व कांग्रेस नेता राहुल गांधी के आरोपों पर पलटवार किया है, बृजभूषण शरण सिंह गोंडा में आयोजित कार्यक्रम शामिल होने के लिए पहुंचे थे, राहुल गांधी द्वारा फतेहपुर में दलित परिवार से मुलाकात के बाद सरकार पर लगाए गए आरोपों पर बृजभूषण शरण सिंह ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा, यह एक दुर्घटना थी कार्रवाई भी हो चुकी है, एफआईआर दर्ज है, ऐसी घटनाएं नहीं होनी चाहिए।

बृजभूषण ने कहा, फर्क बस इतना है कि राहुल गांधी को कुछ घटनाएं ही दिखाई देती हैं, कुछ नहीं। पश्चिम बंगाल में जो हो रहा है, वह क्यों नहीं दिखाई देता? वहां के अत्याचारों पर राहुल गांधी चुप रहते हैं, जबकि उत्तर प्रदेश या हरियाणा की घटनाओं पर तुरंत बयान दे देते हैं। यही बात उनकी नीयत पर सवाल खड़ा करती है। रोहिणी आचार्य प्रकरण पर राहुल गांधी की चुप्पी को लेकर बृजभूषण शरण सिंह ने कहा- जब हमारे ऊपर आरोप लगाए गए थे, तब नगीना सांसद चंद्रशेखर आजाद ने कहा था कि हमें सभा से खींचकर लाया जाएगा। लेकिन आज जब महिलाओं से जुड़े मुद्दे उनके अपने खेमे में उठ रहे हैं, तब वही लोग मौन हैं। जिन दलों ने उस वक्त महिलाओं के नाम पर राजनीति की थी, वे आज खामोश हैं. कानून अपना काम कर रहा है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा सिलीगुड़ी में महाकाल मंदिर निर्माण की घोषणा पर उन्होंने कहा, पश्चिम बंगाल के कई जिले अब लगभग जीरो हिंदू हो चुके हैं। वहां से हिंदू पलायन कर चुके हैं और अत्याचार लगातार जारी है। यह कोई नई बात नहीं, यह कम्युनिस्ट और कांग्रेस शासनकाल में भी होता रहा है, आज ममता बनर्जी की सरकार में और बड़े पैमाने पर हो रहा है, जब बीजेपी की सरकार बनेगी, तभी हालात सुधरेंग, मंदिर कोई भी बनवा सकता है, इसमें किसी को दिक्कत नहीं होनी चाहिए। बिहार विधानसभा चुनाव और प्रशांत किशोर को लेकर बृजभूषण ने कहा- प्रशांत किशोर का असर उनके प्रत्याशियों पर निर्भर करेगा, जहां-जहां वे उम्मीदवार उतारेंगे, वहां किसी न किसी को नुकसान होगा।

केवल यूपी में दलित याद आते हैं

चंद्रशेखर आजाद द्वारा रोहिणी आचार्य को फोन पर गाली देने और ऑडियो वायरल होने के मामले पर बृजभूषण शरण सिंह ने कहा- कुछ लोगों के मामले में कोई बोलता ही नहीं। अब जब यह मामला सामने आया है, तो सभी पार्टियां चुप हैं, पश्चिम बंगाल के मामलों में भी सब खामोश रहते हैं। राहुल गांधी को दलित केवल उत्तर प्रदेश में ही याद आते हैं, दूसरे राज्यों में नहीं।

सरकार की गलत नीतियों से किसान व आढ़ती बर्बादी की कगार पर : बजरंग गर्ग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। हरियाणा व्यापार मंडल के प्रांतीय अध्यक्ष व हरियाणा कॉन्फेड के पूर्व चेयरमैन बजरंग गर्ग ने प्रदेश सरकार को किसान विरोधी बताया। मंडियों में किसानों व आढ़तियों से बातचीत के बाद बजरंग गर्ग ने बयान जारी करके कहा कि सरकार की गलत नीतियों से किसान व आढ़ती बर्बादी की कगार पर है। अधिकारी नमी के नाम पर 1750 से 2100 रुपये प्रति क्विंटल धान की खरीद कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने धान की खरीद 3100 रुपये प्रति क्विंटल पर करने का वादा किया था लेकिन धान की खरीद 3100 रुपये पर करना तो दूर की बात सरकार 2389 रुपये प्रति क्विंटल एमएसपी पर भी खरीद नहीं कर रही हैं। किसानों में सरकार के प्रति भारी आक्रोश है। बजरंग ने कहा कि सरकारी एजेंसियों के माध्यम से धान खरीद में करोड़ों रुपये का घोटाला किया जा रहा है। बाजरा एमएसपी की दरों से 900 रुपये से 1400 रुपये प्रति क्विंटल कम दामों में बिक रहा है। धान व बाजरा खरीद घोटाले की उच्चस्तरीय जांच करवा कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पहले भी करोड़ों रुपये का धान घोटाला हुआ था जिसकी एफआईआर दर्ज है।

भाजपा सरकार के भर्ती के वादे झूठे निकले : अनुराग

» हरियाणा सरकार के एक साल पूरा होने पर विपक्ष का हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी अनुराग ढांडा ने हरियाणा में भाजपा सरकार के एक वर्ष पूरे होने पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और पूर्व केंद्रीय मंत्री खट्टर पर सीधा और तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि हरियाणा में सरकार जनता की नहीं बल्कि दिल्ली दरबार से चल रही है। नायब सिंह सैनी सिर्फ डमी सीएम हैं, जबकि असली सत्ता और फैसले आज भी खट्टर और भाजपा हाईकमान के हाथ में हैं। यह सरकार हरियाणा की जनता के लिए नहीं, भाजपा के राजनीतिक एजेंडे के लिए चलाई जा रही है।

अनुराग ढांडा ने कहा कि नायब सिंह सैनी के एक साल के शासन में कानून व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। ह्रष्टक्रक्च के आंकड़े खुद गवाही दे रहे हैं कि हरियाणा अब देश के सबसे असुरक्षित राज्यों में गिना जा रहा है। महिलाओं के खिलाफ अपराध तेजी से बढ़े हैं, सज़ा दर घट रही है, और अपराधियों में कानून का कोई डर नहीं बचा। सरकार का ध्यान जनता की सुरक्षा पर नहीं बल्कि राजनीतिक प्रचार पर है। प्रदेश की पुलिस और प्रशासन जनता की रक्षा की जगह भाजपा के नेताओं और कार्यक्रमों की सेवा में लगा है।

अनुराग ढांडा ने कहा कि खट्टर के समय की वही पुरानी कागज़ी योजनाएं आज भी परोसी जा रही हैं। चेहरा बदल गया है, नीति वही है, झूठे वादे, खोखली गारंटियाँ और जनता को ठगने का सिलसिला। एक साल में सरकार ने जनता को राहत देने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया। न किसानों को न्याय मिला, न युवाओं को रोज़गार, न महिलाओं को सुरक्षा। उन्होंने कहा कि शिक्षा, बिजली और रोजगार के मोर्चे पर सरकार का रिकॉर्ड शर्मनाक है। हजारों अध्यापक पद खाली हैं, सैकड़ों स्कूल एक-टीचर पर चल रहे हैं, भर्ती-परीक्षाएं पेपर लीक से बदनाम हो चुकी हैं, और बिजली कटौती से ग्रामीण इलाकों में अंधेरा फैला है। विकास के नाम पर सरकार केवल भाषण दे रही है, ज़मीन पर कुछ नहीं है। सीएम नायब सिंह तो केवल नाम के हैं, सत्ता और निर्णय दूसरों के हाथ में हैं।

किसानों के साथ हुआ अब तक का सबसे बड़ा विश्वासघात

उन्होंने कहा कि किसानों के साथ अब तक का सबसे बड़ा विश्वासघात इसी सरकार में हुआ है। 24 फसलों पर एमएसपी की गारंटी की बड़ी-बड़ी घोषणाएं की गईं लेकिन असल में मंडियों में किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य से ?700 से 500 तक कम दाम पर धान बेचने को मजबूर होना पड़ा। गेट पास में देरी, नमी और रंग के नाम पर कटौती, और लिफ्टिंग में भ्रष्टाचार ने किसानों की कमर तोड़ दी है। भाजपा सरकार किसान हितैषी नहीं बल्कि व्यापारी हितैषी है, और किसानों को सिर्फ चुनावी मोहरे की तरह इस्तेमाल कर रही है।

भाजपा की सरकार अपराधियों को खुली छूट दे रही

उन्होंने कहा कि भाजपा की यह सरकार अपराधियों को खुली छूट दे रही है और किसानों, युवाओं और महिलाओं को ठगा जा रहा है। जनता अब इस ढोंग को समझ चुकी है। आम आदमी पार्टी हर गांव, हर गली और हर शहर में इस सरकार की नाकामियों को बेनकाब करेगी और भाजपा को जनता के बीच जवाबदेह बनाएगी। ढांडा ने कहा कि एक साल में भाजपा सरकार ने हरियाणा को असुरक्षा, भ्रष्टाचार, बेरोजगारी और किसान विरोधी नीतियों के रास्ते पर धकेल दिया है। लेकिन अब हालात बदलेंगे, जनता सवाल पूछेगी और भाजपा को जवाब देना पड़ेगा।

बामुलाहिज़ा

कार्टून: हसन जैदी

कांग्रेस और गांधी खानदान की असलियत जानती है जनता

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य बोले- बस 'घड़ियाली आंसू' बहाने वाली पार्टी है कांग्रेस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी की फतेहपुर में दलित परिवार से मुलाकात को लेकर उन पर तीखा हमला करते हुए कहा कि 'घड़ियाली आंसू बहाने वाली कांग्रेस और गांधी खानदान की असलियत जनता जानती है।'

रायबरेली जिले के ऊंचाहार क्षेत्र में फतेहपुर जिले के निवासी अनुसूचित जाति के हरिओम वाल्मीकि (40) की चोरी के शक में एक और दो अक्टूबर की दरम्यानी रात भीड़ ने पीट-पीटकर हत्या कर दी थी। बाद में मारपीट और हरिओम के शव के वीडियो ऑनलाइन सामने आए, जिससे लोगों में व्यापक आक्रोश फैल गया। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने फतेहपुर पहुंच कर वाल्मीकि परिवार से मुलाकात कर उन्हें हरसंभव मदद का भरोसा दिया और भाजपा सरकार को दलित विरोधी बताया। कांग्रेस नेता पर पलटवार करते हुए मौर्य ने कहा, राहुल गांधी लगातार निम्न स्तर का व्यवहार कर रहे हैं और वोट बैंक की ओछी राजनीति के लिए घड़ियाली आंसू बहा रहे हैं। वह वहां फोटो खिंचवाने गए थे। पीड़ित परिवार के दर्द को कम करने से उनका कोई लेना-देना नहीं है।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि वाल्मीकि की हत्या करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की गई है और मामले में और भी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा, किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। मौत पर राजनीति करना कांग्रेस का काम है।

बिहार में किसे फायदा किसे नुकसान बताएंगे चुनाव परिणाम

महागठबंधन में भी बनी बात तेजस्वी पर रहेगी नजर

नीतीश कुमार विधानसभा चुनावों में एनडीए का चेहरा होंगे

» सियासी दलों ने संभाला मोर्चा

» एनडीए को एडवांटेज इंडिया पर भी नजर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव अब नजदीक है। इस बार एनडीए और इंडिया ब्लॉक के बीच काफी नजदीकी मुकबला होने की संभावना दिखाई दे रही है। चर्चाओं के बीच अभी बीजेपी-जेडीयू गठबंधन को फायदा मिलता दिख रहा है और उसके कई कारण हैं।

हालांकि लालू व उनके परिजनों पर कोर्ट से आरोप तय होने के बाद ऐसा माना जा रहा है कि एक बड़ा तबका उनके साथ खड़ा है ऐसे में राजद को सहानुभूति का लाभ मिल सकता है। सरकारें आजकल बहुत कम हार रही हैं। देखा जाए तो एक तरह से प्रो-इनकंबेंसी का दौर चल रहा है, इसकी वजह तमाम योजनाएं हैं। विश्लेषकों का कहना है कि एनडीए को एडवांटेज है और इंडिया ब्लॉक अभी ये सारी चीजें लैक कर रहा है। तेजस्वी यादव एक तरफ हैं, महागठबंधन एक तरफ है, वहीं, नीतीश कुमार आज बैंकों में पैसे ट्रांसफर कर रहे है, लोगों को उस पर भरोसा हो रहा है क्योंकि पैसा आ रहा है आज की डेट मे, तेजस्वी यादव हर घर जॉब का वादा कर रहे हैं।

नामांकन के आखिरी दिन शाह-नीतीश की मुलाकात

केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने बिहार चुनाव के पहले चरण के नामांकन के आखिरी दिन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मुलाकात कर उनके नेतृत्व में ही एनडीए के चुनाव लड़ने की पुष्टि की। भाजपा नेताओं ने गठबंधन में एकजुटता और सहयोगियों के सम्मान पर जोर दिया, जिससे आगामी बिहार चुनाव में एनडीए की रणनीति स्पष्ट हुई। केंद्रीय मंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता अमित शाह ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से पटना स्थित उनके आवास पर मुलाकात की। यह मुलाकात 243 सदस्यीय बिहार विधानसभा के पहले चरण के चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने के आखिरी दिन हुई। शाह ने गुरुवार को पुष्टि की थी कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार चुनाव लड़ेगा। एक मीडिया कार्यक्रम में बोलते हुए, पूर्व भाजपा अध्यक्ष ने नीतीश कुमार की सराहना करते हुए कहा कि वह जेपी आंदोलन और आपातकाल के दौरान सबसे प्रमुख नेताओं में से एक थे।

नीतीश से ऊब पर नाराजगी नहीं

नीतीश कुमार के खिलाफ भी कोई ऐसा एंगर नहीं दिख रहा है कि इनको उखाड़ फेंकना है। लोगों में जो थोड़ी बहुत ऊब है, 20 साल से उनको देखते हुए, उसे दूर करने के लिए यह योजना काम आ जाएगी। अगर नीतीश के खिलाफ लोगों में बहुत गुस्सा होता, उनको उखाड़ फेंकने की भावना होती, तब यह चीजें काम नहीं आती।

महिलाओं के खाते में 10 हजार रुपये भेज कर एनडीए ने चला दावं

प्रो इनकंबेंसी को लेकरएक फैक्टर यह है कि 10 हजार रुपये महिलाओं के खाते में उन्होंने भेज दिए। ये दिवाली के ठीक पहले आए हैं, उनके खाते में, इस तरह की तमाम योजनाएं हमेशा से गेम चेंजर रही हैं, उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि शिवराज सिंह चौहान की चाहे लाडली बहना योजना, एकनाथ शिंदे की मांझी लड़की बहन योजना, छत्तीसगढ़ में महतारी बंधन योजना या पिछले साल झारखंड की सरकार की मैया सम्मान योजना हो इस तरह की योजनाएं गेम चेंजर साबित हुई हैं।

मध्य प्रदेश का दिया उदाहरण

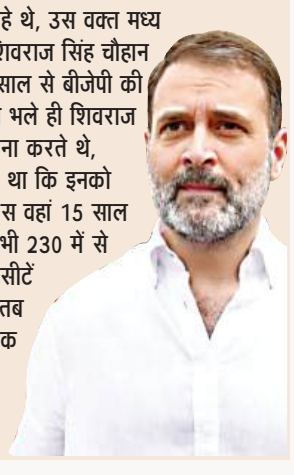

2018 में मध्य प्रदेश में राहुल गांधी सबसे अग्रेसिव अंदाज में कैंपेन कर रहे थे, चौकीदार चोर है का नारा देकर, वो उस समय चुनाव लड़ रहे थे, उस वक्त मध्य प्रदेश में 12 साल से शिवराज सिंह चौहान मुख्यमंत्री थे और 15 साल से बीजेपी की सरकार थी। वहां लोग भले ही शिवराज सिंह चौहान की आलोचना करते थे, लेकिन ऐसा गुस्सा नहीं था कि इनको उखाड़ फेंकना है। कांग्रेस वहां 15 साल बाद जीती, लेकिन तब भी 230 में से कांग्रेस को सिर्फ 114 सीटें आई और बीजेपी हारी तब भी 109 सीटें आई। ठीक उसी तरह का माहौल हमको बिहार में दिख रहा है।

पहले चरण के नामांकन संपन्न

पहले चरण के नामांकन का शुक्रवार को आखिरी दिन था। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के सभी घटक दलों ने अपनी सूची जारी कर दी। पहले चरण की सीटों पर लगभग 95 फीसदी प्रत्याशियों ने नामांकन पर्चा भी भर दिया। लेकिन, अब तक महागठबंधन में सीट बंटवारे का फॉर्मूला तय नहीं हुआ है। कांग्रेस ने 48 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की है। वहीं राजद ने भी अपने पुराने विधायक समेत कुछ नए चेहरों को सिंबल दिया है। लेकिन, अब तक यह नहीं फाइनल किया है कि वह कितनी सीटों पर अपने उम्मीदवार उतार रहे हैं। इधर, वामदल के लगभग 80 फीसदी से अधिक प्रत्याशियों ने अपना पर्चा भर दिया है। सूत्र बता रहे हैं कई सीटों पर कांग्रेस और राजद के बीच पेंच फंसा हुआ ही है। इसलिए कांग्रेस ने इस बार अलग-अलग नीति बनाने शुरू कर दी है। वैशाली, बछवाड़ा, लालगंज, घोषी, झंझारपुर समेत कई सीटों पर फ्रेंडली फाइल की बात सामने आ रही है। भाजपा के प्रवक्ता नीरज कुमार ने कहा कि कहलगांव, बछवाड़ा, वैशाली, चनपटिया, लालगंज और घोषी में महागठबंधन ने अपने-अपने उम्मीदवार उतार दिए हैं। महागठबंधन की पोल खुल चुकी है। यह कैसा गठबंधन है। इधर, राजद सांसद सुधाकर सिंह ने कहा कि महागठबंधन में सबलोग एकजुट हैं। कहीं कोई फ्रेंडली फाइल नहीं होगी।

सहयोगी दलों से पूरी उम्मीद

शाह ने एनडीए के सहयोगी दलों पर उम्मीद जताते हुए कहा था कि हम मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में चुनाव लड़ रहे हैं, जो हमारे चुनाव अभियान का नेतृत्व भी कर रहे हैं। उन्होंने कहा, जहां भी हमें पूर्ण बहुमत मिला, चाहे वह राज्य हो या केंद्र, हमने गठबंधन सरकार चलाई। हमने हमेशा अपने सहयोगी दलों का सम्मान किया है और इस बार भी करेंगे। बिहार भाजपा अध्यक्ष दिलीप कुमार जायसवाल ने भी पुष्टि की है कि नीतीश कुमार विधानसभा चुनावों में एनडीए का चेहरा होंगे। इंडिया टीवी के चुनाव मंच में बोलते हुए, जायसवाल ने यह भी कहा कि एनडीए में सब कुछ ठीक है। जायसवाल ने कहा कि हम नीतीश कुमार के नेतृत्व में चुनाव लड़ेंगे। भविष्य में भी एनडीए उनके नेतृत्व में काम करता रहेगा। पिछले हफ्ते एनडीए ने सीट बंटवारे के फॉर्मूले को अंतिम रूप दिया था, जिसके तहत भाजपा और जनता दल-यूनाइटेड (जेडी-यू) 101-101 सीटों पर चुनाव लड़ेंगे, जबकि केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी की हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर) और राज्यसभा सांसद उपेंद्र कुशवाहा की राष्ट्रीय लोक मोर्चा (आरएलएम) को छह-छह सीटें दी गई हैं। वहीं, केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) को 29 सीटें दी गई हैं।

मुकेश सहनी को राज्यसभा और विधान परिषद का ऑफर

वहीं 2020 के विधानसभा के तरह ही इस बार भी कांग्रेस 60 सीटों पर लड़ने की तैयारी कर रही है। इतना ही नहीं कांग्रेस ने अपने उम्मीदवारों की पहली सूची भी जारी कर दी है। राजद और वामदल अब भी कांग्रेस को 70 सीट देने के लिए तैयार नहीं हैं। इधर, वीआईपी को डिप्टी सीएम का पद चाहिए। उन्होंने कल तीन बार प्रेस वार्ता बुलायी लेकिन तीनों बार कैसिंल कर दिया। कहा गया कि अभी राहुल गांधी से बातचीत चल रही है। इसके बाद वह प्रेस वार्ता करेंगे। हालांकि, सूत्र बता रहे हैं कि मुकेश सहनी को 15 विधानसभा सीट देने की बात सामने आ रही है। मुकेश सहनी के भाई संतोष सहनी गौराबौराम से नामांकन करेंगे। महागठबंधन उनकी पार्टी से दो लोगों विधान परिषद और एक राज्यसभा सीट देने की बात सामने आ रही है। वह इसके लिए तैयार भी हो चुके हैं। तेजस्वी यादव ने भी उन्हें 15 सीटों का भरोसा दिया है। अब तक जो फॉर्मूला तय हुआ है उसके हिसाब से इंडिया गठबंधन में राजद के खाते में करीब 136, कांग्रेस को 61 सीट, वामदल को 31, वीआईपी को 15 सीटें मिल सकती है। संभावना है कि आज शाम तक महागठबंधन में सीट बंटवारे का एलान कर दिया जाए।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

शिक्षा व्यवस्था में बच्चों के साथ बड़ा खिलवाड़

अभी कु छ महीने पहले यूपी में सरकारी स्कूलों की बंदी पर बहुत बवाल मचा था। बाद में दबाव के बाद यूपी सरकार ने ये फै सला टाल दिया। सरकार का दावा था कि छात्रों की संख्या कम थी। हालांकि ऐसी समस्या देश के लगभग हर राज्य में है। कहीं तो बच्चे हैं तो शिक्षकों की कमी है। भारत के कई सरकारी और प्राइवेट स्कूलों के बच्चे सिर्फ एक शिक्षक के भरोसे सभी विषय पढ़ रहे हैं। शिक्षा मंत्रालय के साल 2024-25 के आधिकारिक डेटा के मुताबिक देश के कुल 1,04,125 स्कूलों में एक ही शिक्षक सभी कक्षाओं एवं सभी विषयों को पढ़ा रहे हैं। यह आंकड़ा हमारे शिक्षा तंत्र की विफलता को दर्शाता ही नहीं रहा है बल्कि चिन्ताजनक स्थिति को बयां कर रहा है। ये आंकड़े हमारे शैक्षणिक विकास पर एक गंभीर प्रश्न खड़ा कर रहे हैं। शिक्षा किसी राष्ट्र की आत्मा होती है। स्वामी विवेकानंद का यह वाक्य आज भारत की शिक्षा व्यवस्था पर एक कसक बनकर उभरता है। जब शिक्षा की आत्मा घायल होती है तो राष्ट्र का शरीर कभी स्वस्थ नहीं रह सकता। ये नाकामी 11 साल से सत्ता में बैठी मोदी सरकार के दावे की कलई भी खोल रही है।

शिक्षा मंत्रालय के आंकड़े बताते हैं कि एकल शिक्षक स्कूलों में करीब पौने चौंतीस लाख विद्यार्थी अध्ययन कर रहे हैं। बताया जाता है कि आंध्र प्रदेश में ऐसे स्कूलों की संख्या सबसे ज्यादा थी, जबकि उसके बाद उत्तर प्रदेश, झारखंड, महाराष्ट्र, कर्नाटक और लक्षद्वीप का स्थान है। एक तो हमारे देश में शिक्षा का बजट पहले ही बहुत कम है, फिर उस धन का सही उपयोग नहीं हो पाना एक भ्रष्टाचार ही है। इसमें दो राय नहीं कि प्राथमिक व माध्यमिक शिक्षा के गिरते स्तर के मूल में हमारे नीति-नियंताओं की अनदेखी ही प्रमुख कारक है। आखिर हम अपने नौनिहालों को कैसी शिक्षा दे रहे हैं? आखिर उनके बेहतर भविष्य की हम कैसे उम्मीद करें? यह स्थिति किसी एक आंकड़े की नहीं, बल्कि राष्ट्र के भविष्य की गहरी त्रासदी की तस्वीर है। शिक्षा के प्रति यह उपेक्षा हमारे सत्ताधीशों की संवेदनहीनता का भी पर्याय है। शिक्षकों की नियुक्ति में जिस बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार के मामले विभिन्न राज्यों में सामने आए हैं, उससे शिक्षा विभाग की प्रदूषित कार्य संस्कृति का बोध होता है। आखिर क्या वजह है कि देश में प्रशिक्षित शिक्षकों की पर्याप्त संख्या होने के बावजूद स्कूलों में शिक्षकों की कमी बनी हुई है। यह स्थिति हमारे तंत्र की विफलता को ही उजागर करती है। एक समस्या यह भी है कि शिक्षक जटिल भौगोलिक स्थितियों वाले स्कूलों में काम करने से कतराते हैं। यदि इन स्कूलों में शिक्षकों की नियुक्ति हो भी जाती है तो वे दुर्गम से सुगम स्कूलों में अपना तबादला ज्वाइन करने के तुरंत बाद करवा लेते हैं। जिसमें राजनीतिक हस्तक्षेप से लेकर विभागीय लेन-देन की भी शिकायत होती रहती है। यही वजह है कि शहरों व आसपास के इलाकों में स्थित स्कूलों में शिक्षकों की तैनाती जरूरत से ज्यादा भी देखी जाती है।

“ भारत के कई सरकारी और प्राइवेट स्कूलों के बच्चे सिर्फ एक शिक्षक के भरोसे सभी विषय पढ़ रहे हैं। शिक्षा मंत्रालय के साल 2024-25 के आधिकारिक डेटा के मुताबिक देश के कुल 1,04,125 स्कूलों में एक ही शिक्षक सभी कक्षाओं एवं सभी विषयों को पढ़ा रहे हैं।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

आत्मनिर्भरता से ही सुधरेगी देश की सेहत

प्रमोद भार्गव

दलहन उत्पादन में आत्मनिर्भर होने के लिए वर्ष 2030-31 तक उत्पादन को 252 लाख टन से बढ़ाकर 350 लाख टन करने का लक्ष्य तय किया है। इस हेतु 35 लाख हेक्टेयर अतिरिक्त भूमि दलहन उत्पादन के दायरे में लाई जाएगी। विडंबना देखिए, भारत दुनिया का सबसे बड़ा दलहन उत्पादक और उपभोक्ता देश है, लेकिन दालों की आपूर्ति आयात पर निर्भर है। आहार में पौष्टिक तत्वों का कारक मानी जाने वाली दालें, बढ़ते दामों के कारण गरीब की शारीरिक जरूरत पूरी नहीं कर रही हैं। ये हालात मानसून के दौरान औसत से कम या ज्यादा बारिश होने से तो उत्पन्न होते ही हैं, किसान के नकदी फसलों की ओर रुख करने के कारण भी हुए हैं। यही नहीं, यह स्थिति इसलिए भी बनी, क्योंकि पूर्ववर्ती सरकार की गलत नीतियों के चलते किसान को खाद्य वस्तुओं की बजाय, ईंधन और फूलों की फसल उगाने के लिए, कृषि विभाग ने जागरूकता के अभियान चलाए।

यही वजह रही कि भूमंडलीकरण के दौर में दालों की पैदावार लगातार कम होती चली गई। दाल उत्पादन का रकबा लगभग 15 हजार हेक्टेयर कम हो गया। भारत में दालों की सालाना खपत 220 से 230 लाख टन है। मांग और आपूर्ति के इस बड़े अंतर के चलते जमाखोरों और दाल के आयातक व्यापारियों को भी बार-बार करने का मौका मिल जाता है। पौष्टिक आहार देश के हरेक नागरिक के स्वस्थ जीवन से जुड़ा अहम प्रश्न है। संविधान के मूलभूत अधिकारों में भोजन का अधिकार शामिल है। चूंकि दालें प्रोटीन और पौष्टिकता का महत्वपूर्ण जरिया हैं, इसलिए इनके आयात होने के कारण इनके भाव भी बीच-बीच में बढ़ जाते हैं। इस कारण मध्यवर्गीय व्यक्ति की थाली से दाल गायब होने लगती है। चूंकि दाल व्यक्ति की सेहत से जुड़ी है और बीमारी की हालत में तो रोगी को केवल दाल-रोटी खाने की ही सलाह चिकित्सक देते हैं। वर्ष 1951 में प्रतिव्यक्ति दालों की उपलब्धता 60 ग्राम थी, जो वर्ष 2010 में घटकर 34 ग्राम रह गई।

जबकि अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार यह मात्रा 80 ग्राम होनी चाहिए। दालें भारत में प्रोटीन का प्रमुख स्रोत मानी जाती हैं। लेकिन स्थानीय मांग पूरी करने के लिए दाल उत्पादन में किसान को बड़ी मेहनत करनी पड़ती है। तुअर दाल की फसल आठ माह में तैयार होती है। बावजूद किसान को उचित दाम नहीं

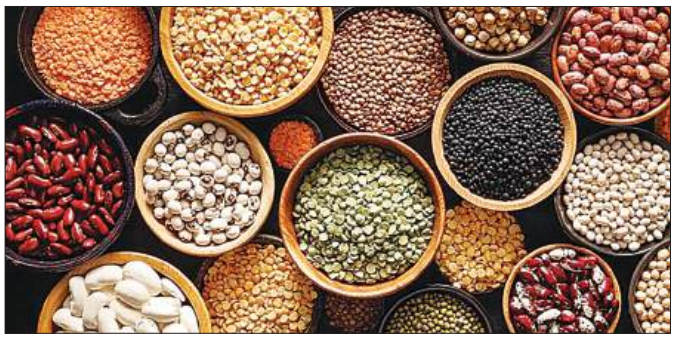

मिलते हैं। गोया, किसान साल में एक फसल उगाने में रुचि कैसे लें? विदेशों में रहने वाले भारतीय भी सबसे ज्यादा तुअर की दाल खाना पसंद करते हैं। देश में सबसे अधिक चने और अरहर की खेती होती है। इनके अलावा मूंग और उड़द दालें पैदा होती हैं। देश में 10 राज्यों के किसान दालों की खेती करते हैं। इनमें सबसे अधिक उत्पादक राज्य महाराष्ट्र है। दालें मुख्य रूप से खरीफ की फसल हैं, जो वर्षा ऋतु में बोई जाती हैं। इस ऋतु में करीब 70 प्रतिशत दालों का उत्पादन होता है। केंद्रीय उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के अनुसार दालों के तात्कालिक भाव 85.42 रुपये प्रति किलो से लेकर 112.88 रुपए प्रति किलो तक हैं। भावों में इस उछाल का कारण जमाखोरी और सट्टेबाजी के साथ आयात का कुचक्र है। टाटा, महिंद्रा, ईजी-डे और रिलायंस जैसी बड़ी कंपनियां जब से दाल के व्यापार से जुड़ी हैं, तब से ये जब चाहे तब मुनाफे के लिए दाल से खिलवाड़ करने लग जाती हैं। जब कंपनियां बड़ी तादाद में दालों का भंडारण कर लेती हैं, तो भावों में कृत्रिम उछाल आ जाता है। हालांकि केंद्र सरकार ने दालों का भंडारण सितंबर 2024 से सीमित किया हुआ है। इस कारण भाव नियंत्रण में हैं। मीडिया दाल के बढ़ते भावों को गरीब की थाली से जोड़कर उछालता है। तब सरकार दाल के आयात के लिए विवश हो जाती है। मसलन देसी-विदेशी बहुराष्ट्रीय कंपनियों के हर हाल में पौ-बारह बने रहते हैं। इन कंपनियों का दबदबा इतना है कि कोई भी राज्य सरकार इनके गोदामों पर छापे डालने का जोखिम उठाने का साहस नहीं जुटा पाती। लिहाजा कालाबाजारी बदस्तूर रहती है। ये कंपनियां मसूर और मटर की दाल कनाडा से, उड़द और अरहर की दाल बर्मा के रंगून से, राजमा चीन से और काबुली चना ऑस्ट्रेलिया से आयात करती हैं।

इनके अलावा अमेरिका, रूस, केन्या, तंजानिया, मोजांबिक, मलावी और तुर्की से भी दालें आयात की जाती हैं। कनाडा ने मसूर दाल के भाव पिछले साल की तुलना में दोगुने कर दिए हैं। कनाडा एशियाई देशों में सबसे ज्यादा दालों का निर्यात करने वाला देश है। इस नाते यह कहने में कोई दो राय नहीं कि विदेशी बहुराष्ट्रीय कंपनियों की बात तो छोड़िए, देशी कंपनियां भी भारतीय कृषि को बदहाल बनाए रखना चाहती हैं। आयात की जब इन्हें खुली छूट मिल जाती है तो ये जरूरत से ज्यादा दाल व तेल का आयात करके भारत को डंपिंग ग्राउंड बना देती हैं।

वैश्विक चुनौतियों के बीच अंदरूनी मुद्दों पर ध्यान जरूरी

गुरबचन जगत

भू-राजनीतिक सत्ता के खेल के पहलू सामान्य से कहीं ज्यादा तेजी से चल रहे हैं, और मैं खुद को हम पर पड़ने वाले प्रभाव पर आत्मचिंतन करता पा रहा हूं। हमास-इस्राइल संघर्ष मामले में शुरुआत हो चुकी है, और युद्धविराम हो गया है; इस्राइली बंधकों और फलस्तीनी कैदियों की अदला-बदली हुई है। इस लड़ाई से अमेरिका, ब्रिटेन, इस्राइल, मिस्र, लेबनान, यमन, ईरान, कतर, सीरिया के अलावा कुछ अन्य देश भी जुड़े थे, हो सकता है जिन्हें मैं नजरअंदाज कर गया। शांति सदा स्वागत योग्य है, लेकिन बड़ा सवाल है कि क्या यह स्थायी हो पाएगी। सही तरह अमेरिका की मदद प्राप्त इस्राइल ने इस लड़ाई में अपना वर्चस्व स्पष्टतया प्रदर्शित किया है। यह भी दिखाया कि इस्राइल की अति-दक्षिणपंथी विचारधारा में फलस्तीनी राज्य के विचार के प्रति जीरो टॉलरेंस है, और फिलहाल यही नीति हावी है।

यह गाजा पर बमबारी, वैस्ट बैंक पर बसने वालों को दिए समर्थन और तमाम विरोध कठोरता से कुचलने में देखने को मिला। क्या इससे फलस्तीनी देश और द्वि-राष्ट्र समाधान की मांग समाप्त हो जाएगी...शायद नहीं। अंततः, यह तीन प्राचीन समुदायों और धर्मों के बीच की सांप्रदायिक रार है। यरुशलम को लेकर सदियों से लड़ाई जारी है... यहीं से ईसाई धर्म, इस्लाम और यहूदी धर्म की उत्पत्ति हुई, और यह मान बैठना ज्यादा ही सरल होगा कि अब सब झगड़ा सुलझ गया है। मध्य पूर्व के विशाल कच्चे तेल भंडारों पर नियंत्रण की इच्छा भी महाशक्तियों के लिए हस्तक्षेप करने में बड़ा लालच है। यह देखते हुए कि यूरोप के अधिकांश देशों और ब्रिटेन ने हाल ही में फलस्तीनी राज्य को मान्यता दी है, हमास को निरस्त्र करने और फलस्तीनी समस्या के समाधान की मांगों पर अभी बहुत काम करना बाकी है। क्या इस संघर्ष में हमारी स्थिति ने मध्य पूर्व के उन देशों के साथ संबंधों में शायद कुछ ठंडक ला दी है, जिनके साथ अतीत में हमारे रिश्ते मधुर रहे हैं? पाकिस्तान और सऊदी अरब के बीच हालिया रक्षा समझौता इसका संकेत देता है।

इसके अलावा, अमेरिका और पाकिस्तान के बीच फिर से बना दोस्ताना भी हमारे लिए चिंता बढ़ाने वाला है। अमेरिका को ईरान, अफगानिस्तान और चीन के नजदीक एक रणनीतिक साझेदार चाहिये और पाकिस्तान की सीमा इन तीनों से लगती है। वहीं खुफिया जानकारी और रसद सहायता प्रदान करने में भी वह उपयोगी है। पाकिस्तान की सभी पक्षों के साथ खेलने की चाह का असर अफगानिस्तान के साथ लगती उसकी उत्तरी सीमाओं पर पहले ही पड़ रहा है, जहां झड़पें और हताहतों की संख्या बढ़ रही है। पाकिस्तानी एक ही वक्त चीन और अमेरिका के साथ संबंधों के संतुलन को कैसे साध पाएगा, यह एक कूटनीतिक कौतुक होगा। यह परिस्थिति हमारी सुरक्षा के लिए सवाल पैदा करती है कि क्या अमेरिका और चीन, पाकिस्तान को लुभाने की खातिर, कश्मीर के बारे उसकी आसक्ति में साथ देंगे? क्या इस क्षेत्र में संघर्ष बड़ी ताकतों को माफिक होगा? दशकों से, हमारी नियंत्रण रेखा सक्रिय रही है, जिस पर पूर्ण युद्ध से लेकर बमबारी और सीमित झड़पों तक, विभिन्न स्तर के टकराव होते आए हैं।

हालिया मुठभेड़ ने दोनों पक्षों की एक-दूसरे को पहले की अपेक्षा अधिक नुकसान पहुंचाने की क्षमता का प्रदर्शन किया। ड्रोन व उपग्रहों की मदद से लैस आधुनिक हवाई शक्ति का उपयोग स्पष्टतया रेंज और क्षमता, दोनों में, वृद्धि-विस्तार दर्शाता है। क्या हम दुश्मन को मात देने की क्षमता प्रदर्शित करने में सफल रहे? पिछली झड़प के बाद से, बयानबाजी तेज हो गई और युद्ध के नगाड़े बजते सुनाई दे रहे हैं। सर्वप्रथम, इस झड़प के परिणाम की धारणा दोनों पक्षों में बहुत अलग रही है; द्वितीय धमकियां और जवाबी धमकियां रोज की बात हो गयी - न केवल राजनेता, बल्कि सैन्य अधिकारी भी इस खेल में शामिल हो गए। सशस्त्र बल मूक भागीदार नहीं; अब खुलकर चुनौतियां व धमकियां देने लगे हैं। आए दिन कोई न कोई जनरल या फील्ड मार्शल अपनी बयानबाजी में और धार लाता नजर आता है। हमारा कहना है कि ऑपरेशन सिंदूर अभी जारी है, वे भी उसी भाषा में बोल रहे हैं। एक-दूसरे के इतिहास और भूगोल को दफनाने की धमकियां नया आयाम है। ठीक इसी वक्त, दोनों मुल्क कुछ देशों की राजधानियों में अपनी स्थिति की पैरवी करने और मजबूत करने में लगे हैं, ज्यादा हथियार, ज्यादा संधियां, हम वाशिंगटन, बीजिंग, मॉस्को, लंदन आदि में बैठे अपने 'अंकलों' की ओर देखते हैं।

जितना ज्यादा हम पैरवी करने और संबंध बनाने को भागदौड़ करेंगे, उतनी ही ज्यादा संभावना रहेगी कि हम किसी बहुत बड़े खेल में फंस जाएं और मोहरे की तरह इस्तेमाल किए जाएं। रूस-यूक्रेन संघर्ष जारी है; नाटो व अमेरिका इसमें सक्रियता से शामिल हैं। चीन ज्यादा शांत रहकर, किंतु शायद अधिक अहम भूमिका निभा रहा है। हम पर रूसी तेल खरीदने के लिए अत्यधिक शुल्क लगाए जा रहे हैं, जबकि नाटो देश खुद वही कर रहे हैं। तब हम अपनी कौन सी स्थिति रखें? आइए पहले हम अपने गिरेबान में झांकें कि हम कहां जा रहे हैं। जहां हम दूरदराज की महाशक्तियों की मनुहार-प्रशंसा करने में लगे हैं वहीं अपने भीतर भी देखें। हमने अपनी पिछली असफलताओं से कोई सबक नहीं सीखा, और उन्हें दोहराने पर तुले हैं। हमारे सीमावर्ती राज्यों में तनाव दिन-प्रतिदिन बढ़ रहा है। लगभग सभी राज्यों में विकास का अभाव, गरीबी, युवाओं की समस्याओं की उपेक्षा और बेरोजगारी एक समान है।

दिवाली लक्ष्मी-गणेश की ऐसे करें आराधना

दिवाली हिंदू धर्म का प्रमुख पर्व है। यह पर्व हर साल कार्तिक मास की अमावस्या तिथि पर मनाया जाता है। इस दिन पूरा देश दीये को रोशनी से जगमगा उठता है। दिवाली को सुख-समृद्धि प्रदान करने वाला त्योहार माना जाता है। धार्मिक मान्यता है कि इस दिन मां लक्ष्मी अपने भक्तों के घर पर पधारती हैं और उन्हें धन-धान्य का आशीर्वाद देती हैं। यही वजह है कि इस दिन लोग मां लक्ष्मी की पूजा करके जीवन में सुख-समृद्धि आने की कामना करते हैं, लेकिन इस साल दिवाली की सही तारीख को लेकर असंजस की स्थिति बनी हुई है।

पूजा का शुभ मुहूर्त

इसबार दिवाली 20 अक्टूबर को मनाई जाएगी। इस बार कार्तिक माह की अमावस्या तिथि की शुरुआत 20 अक्टूर दिन सोमवार को को 03 बजकर 44 मिनट पर शुरू होगी और कार्तिक माह की अमावस्या तिथि का समापन 21 अक्टूबर दिन मंगलवार को 05 बजकर 54 पर समाप्त होगी। दीपावली के दिन पूजा का शुभ मुहूर्त 20 अक्टूबर1 घंटा 11 मिनट का है। दिवाली पर लक्ष्मी पूजा का शुभ मुहूर्त शाम को 07 बजकर 08 मिनट से रात 08 बजकर 18 मिनट तक है।

दिवाली का धार्मिक महत्व

दिवाली की रात भगवान गणेश और मां लक्ष्मी की नव स्थापित प्रतिमाओं की पूजा की जाती है। इस दिन लक्ष्मी-गणेश के अलावा कुबेर देवता और बही-खाता की पूजा करने की भी परंपरा है। मान्यता है कि दिवाली की रात पूजा करने से जीवन में धन-धान्य की कभी भी कमी नहीं होती है। ज्योतिष के जानकारों के अनुसार इस मुहूर्त में लक्ष्मी पूजा करने से जीवन में अपार सुख-समृद्धि की प्राप्ति होगी।

क्यों मनाई जाती है?

दिवाली के पर्व को हर साल अमावस्या की अंधेरी रात्रि में मनाया जाता है। इस दिन दीयों की रोशनी से पूरे घर को रोशन किया जाता है। इसलिए इस पर्व को अंधकार पर प्रकाश की विजय का प्रतीक माना गया है। साथ ही मान्यता है कि दिवाली के दिन ही प्रभु श्रीराम लंकापति रावण को हरा कर अयोध्या लौटे थे। 14 वर्ष का वनवास पूरा कर भगवान राम के लौटने की खुशी में अयोध्या वासियों ने पूरे अयोध्या को दीयों को रोशनी से सजा दिया था। तभी से पूरे देश में दिवाली मनाई जाती है।

हंसना मना है

भाभी जी- भैया, ये लंगड़ा आम है फलवाला- हां भाभी, भाभी जी- लेकिन सभी एक जैसे दिख रहे है, मैं कैसे मानूं? फलवाला- लंगड़ा है तभी तो ठेले पर बिठाकर घुमा रहा हूं। फलवाले की बात सुन भाभी जी बेहोश।

सास- दामाद जी अगले जन्म में आप क्या बनना चाहेंगे? दामाद- अगले जन्म में छिपकली बनना चाहुंगा। सास- छिपकली? वो क्यूं? दामाद- क्योंकि आपकी बेटी छिपकली से बहुत डरती है।

संता बड़ा परेशान था, बेचारे की शादी जो नहीं हो रही थी। हर बार शादी होते-होते टूट जाती। बेचारा एक दिन एक पंडित जी के पास पहुंच गया। और बोला- पंडित जी कोई उपाय बताए मेरी शादी नहीं हो रही हमेशा टूट जाती है। पंडित जी ने कहा- शादी हो जाएगी, लेकिन सबसे पहले तुम लोगों से सदा सुखी होने का आशीर्वाद लेना बंद करो।

शादी में पंडित जी ने दूल्हे का हाथ दुल्हन के हाथ में थमा दिया। एक बच्चा ये देख रहा था, उसने अपने पिता से पूछा - पिताजी दूल्हा और दुल्हन आपस में हाथ क्यों मिला रहे हैं? पिता ने उत्तर दिया - बेटा, पहलवान अखाड़े में उतरने से पहले हाथ जरूर मिलाते हैं।

कहानी — अंगूठी चोर

राजा कृष्ण देव राय बहुत ही कीमती आभूषण पहना करते थे, लेकिन उनके सभी आभूषणों में से सबसे प्रिय थी उनकी कीमती रत्न जड़ित अंगूठी। वो दरबार में भी सभी को वो अंगूठी दिखाया करते थे, लेकिन एक दिन महाराज अपने दरबार में काफी उदास बैठे थे। तब तेनाली रामा राजा के पास आए और उदासी का कारण पूछा। राजा ने बताया कि उनकी सबसे कीमती अंगूठी चोरी हो गई है और चोर उनके अंगरक्षकों में से ही कोई एक है। तेनाली राम ने कहा कि वो जल्द उनके अंगूठी चोर को पकड़ लेंगे। तेनाली की बात सुनकर राजा काफी खुश हुए। तेनाली ने राजा के सभी अंगरक्षकों को बुलाया और कहा कि मुझे पता है कि महाराज का अंगूठी चोर आप में से ही कोई एक है। जो निर्दोष है उसे डरने की कोई जरूरत नहीं है, लेकिन जो गुनहगार है, वो सजा भुगतने के लिए तैयार रहे। आप सभी मेरे साथ काली माता के मंदिर चलें।' राजा बोले कि चोर पकड़ने के लिए मंदिर क्यों जाना?' तेनाली ने कहा कि महाराज आप धैर्य रखें। मंदिर में ही चोर का पता चलेगा।' तेनाली पहले मंदिर के अंदर गए और पुजारी के कानों में कुछ कहा। फिर तेनाली ने बाहर आकर अंगरक्षकों को बारी-बारी से काली माता के पैर छूकर आने को कहा। तेनाली ने कहा कि आज रात मां काली सपने में आकर उन्हें चोर का नाम बताएंगी। तेनाली की बात सुनकर सभी अंगरक्षक एक-एक कर मंदिर के अंदर जाते और काली मां के पैर छूकर बाहर आते। अंगरक्षक जैसे ही बाहर आते तेनाली उनके हाथ सूंघता और उन्हें कतार में खड़ा कर देता। जब सारे अंगरक्षकों ने काली मां के पैर छू लिए, तो राजा ने कहा कि चोर का पता तो सुबह चलेगा, लेकिन तब तक इनका क्या करें?' तेनाली राम बोले कि नहीं महाराज चोर का पता चल चुका है।' वहां पर मौजूद हर कोई हैरान हो गया। तेनाली ने कहा सातवें स्थान पर खड़ा अंगरक्षक ही चोर है। यह सुनते ही वो अंगरक्षक भागने लगा, लेकिन तब तक अन्य अंगरक्षकों ने उसे धर-दबोचा। वहां मौजूद हर कोई हैरान था कि तेनाली को कैसे पता चला कि यही चोर है। तेनाली ने बताया कि मैंने मंदिर में आते ही पुजारी जी से बोलकर काली मां के मूर्ति के चरणों में सुगंधित इत्र लगवा दिया था। जिस कारण जो भी काली मां के पैर छूता सुगंध उसके हाथों पर आ जाती, लेकिन जब सातवें अंगरक्षक के हाथ सूंघे, तो उसमें कोई सुगंध नहीं थी। उसने पकड़े जाने के डर से काली मां के पैर छुए ही नहीं। ऐसे में यह बड़ी आसानी से पता चल गया कि असली चोर वही था।' तेनाली की बात सुनकर राजा बहुत खुश हुए और तेनाली को कई सारे उपहार से सम्मानित किया।

7 अंतर खोजें

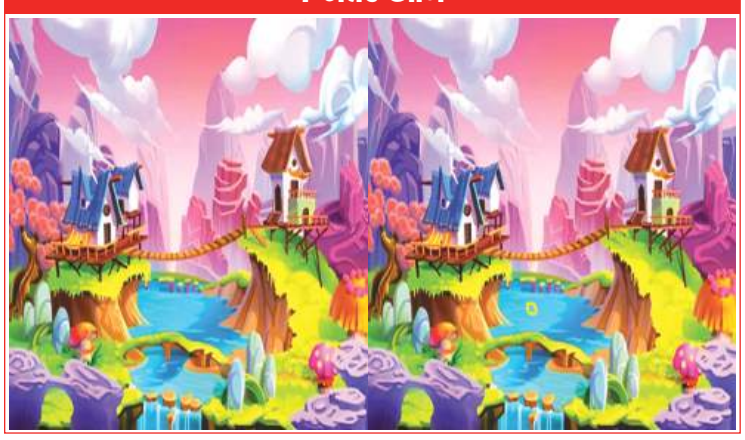

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद् हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। नए विचार दिमाग में आएंगे। भाग्य का साथ मिलेगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। धनार्जन होगा।

वृषभ — कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। काम में मन नहीं लगेगा। दूसरे आपसे अधिक की अपेक्षा करेंगे। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। दु:खद समाचार प्राप्त हो सकता है।

मिथुन — मान-सम्मान मिलेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।

कर्क — घर में अतिथियों का आगमन होगा। प्रसन्नता तथा उत्साह बने रहेंगे। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। आलस्य हावी रहेगा। प्रमाद न करें। विवेक का प्रयोग करें।

सिंह — नौकरी में अधिकार वृद्धि हो सकती है। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। निवेश मनोनकूल रहेगा। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे।

कन्या — व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगा। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। विवाद से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। पुराना रोग उभर सकता है।

तुला — व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। नौकरी में अनुकूलता रहेगी। भाग्य का साथ मिलेगा। प्रमाद न करें।

वृश्चिक — मान-सम्मान मिलेगा। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। व्यापार-व्यवसाय में मनोनुकूल लाभ होगा। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड इत्यादि से लाभ होगा।

धनु — लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। पारिवारिक सहयोग प्राप्त होगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। दूसरों के कार्य में हस्तक्षेप न करें।

मकर — कीमती वस्तुएं इधर-उधर हो सकती हैं, संभालकर रखें। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। यात्रा में जल्दबाजी न करें। शारीरिक कष्ट संभव है।

कुम्भ — व्यापार व व्यवसाय ठीक चलेगा। नौकरी में चैन रहेगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। राजकीय बाधा दूर होकर स्थिति अनुकूल बनेगी।

मीन — नौकरी में रुतबा बढ़ेगा। आय के नए साधन प्राप्त हो सकते हैं। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। जीवन सुखमय व्यतीत होगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी।

31अक्टूबर को फिल्म 'द ताज स्टोरी' के खुलेंगे अनसुने किस्से

बॉलीवुड इंडस्ट्री के फेमस एक्टर परेश रावल हमेशा अपना शानदार एक्टिंग के जाने जाते है। उनकी एक्टिंग के लाखों फैंस हैं। परेश रावल ने अपनी एक्टिंग और बेहतरीन डायलॉग डिलीवरी से फैंस के दिलों में खास जगह बनाई है। एक्टर जल्द ही फिल्म थामा में नजर आने वाले है। इसी बीच एक्टर की एक और फिल्म का ट्रेलर रिलीज हो गया है, जिसे फैंस काफी पसंद कर रहे हैं।

एक्टर परेश रावल की फिल्म द ताज स्टोरी का ट्रेलर फैंस के लिए रिलीज हो गया है। इस फिल्म का परेश रावल के फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। हाल ही में फिल्म का ट्रेलर रिलीज हुआ, जिसमें परेश गाइड विष्णु दास के किरदार में नजर आएंगे। फिल्म की कहानी दुनिया के सात अजूबों में से एक आगरा के ताज महल के असली इतिहास को ढूंढने की जंग के ईद-गिर्द घूमती नजर आती है।

परेश रावल की फिल्म द ताज स्टोरी का 2 मिनट 58 सेकंड का ट्रेलर है। फिल्म में आपको परेश रावल, जाकिर हुसैन, बृजेन्द्र काला और नमित दास जैसे कई कलाकार नजर आएंगे। इस फिल्म को डायरेक्ट और लेखक तुषार अमरीश गोयल ही है। बता दें कि इस फिल्म की कहानी एक ऐसे गाइड की है, जिसे सालों से लोगों को ताजमहल की खूबसूरती का दीदार करवाता आ रहा है, लेकिन उसे एक दिन अहसास होता है कि क्या वाकई ताज महल की वही हकीकत है, जो हमें इतना सालों से किताबों में पढ़ाई जा रही हैं। बता दें कि परेश रावल की फिल्म द ताज स्टोरी के ट्रेलर से पहले एक पोस्टर रिलीज किया गया था, जिसके बाद काफी विवाद भी खड़े हुए थे। हालांकि मेकर्स का कहना है कि फिल्म में किसी भी तरह से किसी धर्म को लेकर कमेंट नहीं किया गया है। फिल्म का ट्रेलर एक कोर्ट केस की कहानी को काफी अच्छी तरह से दिखाता है। फिल्म सिनेमाघरों में 31 अक्टूबर को दस्तक देगी। वहीं एक्टर के वर्कफ्रंट की बात करें तो परेश रावल द ताज स्टोरी के अलावा फिल्म थामा में भी नजर आएंगे।

सपना चौधरी ने नसीहत देने वालों को दिया जवाब

सपना चौधरी एक बार फिर सोशल मीडिया पर चर्चा में हैं। इस बार वजह बना है उनका एक इंस्टाग्राम वीडियो, जिसमें वो पारंपरिक पटियाला सूट पहनकर गलियों में बड़े दिलकश अंदाज में घूमती नजर आ रही हैं। सपना चौधरी का देसी अंदाज वायरल वीडियो में उनका देसी अंदाज लोगों को खासा पसंद आ रहा है। सपना चौधरी अक्सर अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर अपने डांस वीडियोज, शायरी और देसी लुक्स साझा करती रहती हैं, लेकिन इस बार उन्होंने अपने पोस्ट के जरिए दिल की बात भी साझा की है। सपना चौधरी ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह बेबी पिंक कलर का खूबसूरत पटियाला सूट पहने हुए नजर आ रही हैं। वीडियो में वह बड़ी सादगी के साथ गलियों में घूमती दिख रही हैं। उनका देसी लुक सभी फैंस को काफी पसंद आ रहा है।

इस वीडियो के कैप्शन में सपना ने उन लोगों को कड़ा जवाब दिया, जो उन्हें ट्रोल करते रहते हैं या फिर सलाह देते हैं। अपने इंस्टा पोस्ट के कैप्शन में सपना ने लिखा, मुझे सबर (सब्र) करने की नसीहत न दीजिए, मेरी जगह आइए और सह के दिखाइए। इस वीडियो में सपना ने बैकग्राउंड म्यूजिक के तौर पर 90 के दशक की हिट फिल्म अजय का सुपरहिट गाना छम्मक छल्लो जरा धीरे चलो को चुना, जिसे मशहूर गायक कुमार सानू ने गाया है। इस गाने को सनी देओल और करिश्मा कपूर पर फिल्माया गया है और इसका संगीत आनंद-मिलिंद ने तैयार किया, जबकि बोल समीर ने लिखे हैं।

बात करें सपना चौधरी के करियर की बात करें, तो उन्होंने बहुत कम उम्र में स्टेज परफॉर्मेंस शुरू की थी। हरियाणा के एक छोटे से गांव से निकलकर उन्होंने ऑर्केस्ट्रा टीम के साथ काम करना शुरू किया और फिर रागनी पार्टियों में हिस्सा लेने लगीं।

बॉलीवुड | मन की बात

प्रेग्नेंसी के दौरान मैंने दे दे प्यार दे-2 की शूटिंग की : इशिता दत्ता

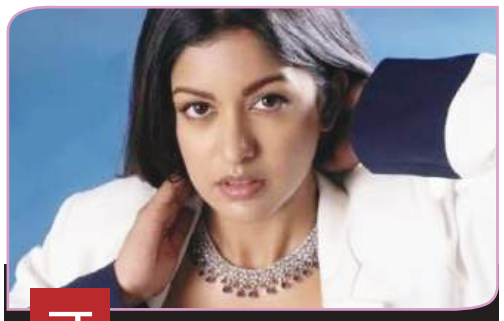

इशिता दत्ता बहुत जल्द फिल्म दे दे प्यार दे 2 में काम करती दिखाई देंगी। उन्होंने बताया कि जब वह गर्भवती थीं तभी उन्होंने इस फिल्म की शूटिंग शुरू की थी। यह उनके लिए एक चुनौतीपूर्ण दौर था, लेकिन उन्होंने इसे सफलतापूर्वक पूरा किया। इशिता ने यह भी बताया कि शूटिंग के समय उन्होंने अपनी प्रेग्नेंसी की न्यूज को सीक्रेट रखा ताकि काम पर असर न पड़े। दो बच्चों, बेटे वायु और बेटी वेदा की मां बनने के बाद यह उनकी पहली फिल्म है जो रिलीज होने जा रही है। इशिता ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल के स्टोरीज सेक्शन में 'दे दे प्यार दे 2' के पोस्टर के बगल में अपनी एक तस्वीर साझा की। इसमें अभिनेत्री ने बताया कि इतने लंबे समय के बाद पर्दे पर वापसी करना एक नई शुरुआत जैसा लग रहा है। उन्होंने पोस्ट में लिखा, इस फिल्म के लिए बेहद उत्साहित हूं।।। दोनों बच्चों के बाद मेरी पहली फिल्म। इसकी शूटिंग के दौरान मैं गर्भवती थी। 4 साल बाद वापसी करना बहुत अजीब लग रहा है, मानो एक नई शुरुआत हो।।। आप सभी का आशीर्वाद चाहिए।।। क्या मैं कह सकती हूं कि मैं पोज देना भूल गई हूं, एक नई शुरुआत के लिए उत्साहित हूं। हाल ही में फिल्म दे दे प्यार दे 2 का ट्रेलर रिलीज हुआ था। इसमें आयशा नाम की लड़की की स्टोरी है जो एक ऐसे शख्स से प्यार करती है जो उम्र में उनसे काफी बड़ा है। इसमें अजय देवगन और रकुल प्रीत सिंह लीड रोल में दिखाई देंगे। फिल्म में आर। माधवन रकुल प्रीत सिंह के पिता के रोल में दिखाई देंगे। पहले तो वह इस रिश्ते से खुश रहते हैं, लेकिन बाद में धीरे-धीरे उनका असली रूप सामने आता है। इसका ट्रेलर लोगों को काफी पसंद आ रहा है। लोग कमेंट बॉक्स में कहते दिखे कि यह पहले पार्ट से बेहतर फिल्म होगी। अंशुल शर्मा ने इस फिल्म को डायरेक्ट किया है। फिल्म की कहानी तरुण जैन ने लव रंजन के साथ मिलकर लिखी है। भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, लव रंजन, और अंकुर गर्ग इसके निर्माता हैं।

क्या जानते हैं भारत के किस राज्य में होता है सबसे ज्यादा ऑनलाइन फ्रॉड?

भारत में कई बार हमें बड़े ऑनलाइन फॉड के किस्से सुनने को मिलते हैं। वैसे को भारत के कई राज्य ऐसे हैं जिनमें बड़े स्तर पर ऐसे फॉड्स को अंजाम दिया जाता है। लेकिन इस रिपोर्ट में हम उस राज्य के बारे में जानेंगे जिसे ऑनलाइन फॉड के मामले में नंबर 1 माना जाता है। कई बार हमारे सामने ऐसे मामले आते हैं जिनमें लोगों के साथ ऑनलाइन धोखाधड़ी होती है। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो (NCRB) की एक रिपोर्ट के अनुसार भारत का महाराष्ट्र राज्य ऑनलाइन धोखे के मामलों में सबसे ऊपर है। इस राज्य में आए दिन लोगों के साथ नई-नई तकनीकों से ऑनलाइन धोखे होते रहते हैं। सपनों की नगरी कहे जाने वाले मुंबई शहर में सिर्फ पैसों से जुड़े ही नहीं बल्कि ऑनलाइन दस्तावेज फर्जीवाड़े के मामले भी आए दिन सामने आते हैं। मुंबई में लगातार ऐसे धोखाधड़ी के मामलों की संख्या बढ़ रही है। हाल ही की रिपोर्ट के मुताबिक मुंबई में लगभग 2,396 ऑनलाइन धोखाधड़ी के मामले दर्ज किए गए। इन मामलों में बैंकिंग फॉड, फेक वेबसाइट्स, ऑनलाइन शॉपिंग स्कैम और डिजिटल पेमेंट से जुड़े कई मामले शामिल थे। मुंबई में लगातार दस्तावेज फर्जीवाड़े के मामले भी बढ़ रहे हैं। हाल ही में यहां नकली पहचान पत्र, फर्जी डिग्री और नकली जॉब लेटर जैसी घटनाओं के लगभग 45 मामले दर्ज किए गए। मुंबई में महिलाओं और बच्चों के ऊपर भी साइबर स्टॉकिंग के किस्से बढ़ रहे हैं। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो की रिपोर्ट के मुताबिक साइबर स्टॉकिंग और बुलिंग से जुड़े लगभग 119 केस सामने आए। जिसके चलते मुंबई इस मामले में दूसरे स्थान पर रहा है। साइबर स्टॉकिंग और बुलिंग के मामले में हैदराबाद नंबर 1 पर है। यहां लगभग 163 मामले सामने आए। मुंबई को वैसे तो सपनों की नगरी कहा जाता है। लेकिन इस शहर की आपराधिक छवि आए दिन बढ़ रही है। इंटरनेट के जरिए यौन शोषण के मुंबई में लगभग 179 मामले सामने आए। जिसके बाद मुंबई ऐसे मामलों में पूरे देश में दूसरे नंबर पर है। इंटरनेट के जरिए यौन शोषण के मामलों में बेंगलुरू शहर भारत में सबसे आगे है। इस शहर में ऐसे लगभग 374 मामले सामने आए हैं।

अजब-गजब | दीपावली पर पटाखा दगाने का है अजीब इतिहास

भारत में पटाखे पहली बार कब फोड़े गए थे? दिये वाली दिवाली तो जानते होंगे

भारत में पटाखों का इतिहास बेहद काफी मजेदार है। यहां पहले दिवाली केवल दीयों, मिठाइयों और पूजा-पाठ कर को ही मनाई जाती थी। वहीं अब यह रोशनी के साथ साथ पटाखों का भी त्योहार बन गई है। आइए आज हम आपको बताते हैं कि पटाखे हमारे त्योहारों का हिस्सा किस तरह से बन गए।

पटाखों की शुरुआत भारत में नहीं चीन में हुई थी। करीब 9वीं सदी में चीन में बारूद की खोज हुई। इसी से पहली बार फायरवर्क्स की शुरुआत हुई। माना जाता है कि मंगोल आक्रमणों और व्यापार के रास्ते ये भारत में आया और अरब देशों तक पहुंचा। भारत में पटाखों का इस्तेमाल सबसे पहले medieval period में हुआ था। ऐतिहासिक रिकॉर्ड की माने तो 13वीं से 14वीं सदी के बीच दिल्ली सल्तनत और मुगल काल में राजदरबारों में आतिशबाजी की शुरुआत हुई थी। बता दें कि बाद में अकबर, जहांगीर और शाहजहां के समय में यह काफी इस्तेमाल किया जाने लगा। दिवाली प्रकाश और अच्छाई की जीत का त्योहार माना जाता है। भगवान राम 14 साल के वनवास के बाद अयोध्या लौटे थे। तब लोगों ने दीये जलाकर उनका स्वागत किया था, हालांकि उस समय पटाखे नहीं थे। मुगल के समय में जब आतिशबाजी मशहूर होने लगी, तभी दिवाली में भी पटाखों का इस्तेमाल शुरू हो गया था। धीरे-धीरे यह परंपरा राजमहलों से निकलकर आम जनता तक पहुंचने लगी। जैसे जैसे समय बीता वक्त साथ पटाखे भी त्योहार की खुशी का हिस्सा हो गए, लेकिन आज के दौर में इनसे प्रदूषण की समस्या भी बढ़ी है। बता दें कि इसी वजह से अब ग्रीन क्रैकर्स का लोग इस्तेमाल कर रहे हैं। इससे प्रदूषण को कम किया जा सकता है।

मूर्ति दंपति के जाति सर्वेक्षण से इनकार पर रार

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने दागे सवाल

» बोले- केंद्र की जनगणना में भी नहीं होंगे शामिल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुर। इंफोसिस के संस्थापक नारायण मूर्ति और सुधा मूर्ति द्वारा कर्नाटक के जाति सर्वेक्षण में भाग लेने से इनकार पर राज्य में सियासी रार मच गई है। सीएम सिद्धारमैया ने कहा कि सर्वेक्षण सभी नागरिकों का है, यह केवल पिछड़े वर्ग तक सीमित नहीं, और पूछा कि क्या वे केंद्र के जाति जनगणना में भी असहयोग करेंगे। यह घटनाक्रम जाति आधारित डेटा संग्रह और राजनीतिक प्रतिक्रियाओं पर प्रकाश डालता है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री ने इंफोसिस के संस्थापक एन.आर. नारायण मूर्ति और उनकी पत्नी सुधा मूर्ति के, राज्य सरकार द्वारा कराए जा रहे जाति सर्वेक्षण में भाग न लेने के फैसले पर शुक्रवार को प्रतिक्रिया दी।

दंपति ने यह तर्क दिया था कि वे किसी पिछड़े वर्ग से नहीं आते, जिसके कारण उन्होंने सर्वेक्षण में शामिल होने से इनकार कर दिया। सिद्धारमैया की यह टिप्पणी नारायण मूर्ति और सुधा मूर्ति द्वारा कर्नाटक के सामाजिक और शैक्षिक सर्वेक्षण में कथित तौर पर भाग लेने से इनकार करने के एक दिन बाद आई। दरअसल, कर्नाटक राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग ने सर्वेक्षण के लिए एक प्रोफ़ॉर्म जारी किया था। राज्यसभा सदस्य सुधा मूर्ति ने एक स्व-घोषणा पत्र पर हस्ताक्षर करके इसमें विवरण भरने से मना कर दिया। कहा जाता है कि सुधा मूर्ति ने कन्नड़ में लिखे स्व-घोषणा पत्र में कहा था, हम किसी पिछड़े समुदाय से नहीं हैं। इसलिए, हम ऐसे समूहों के लिए सरकार द्वारा किए गए सर्वेक्षण में भाग नहीं लेंगे। मुख्यमंत्री अकेले ऐसे व्यक्ति नहीं हैं जिसने मूर्तियों के इस कदम का विरोध किया है। इससे पहले, पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री शिवराज तंगदागी ने भी इस पर आलोचना व्यक्त की थी।

मंत्रिमंडल का फैसला केवल आरएसएस के लिए नहीं

मुख्यमंत्री की यह टिप्पणी उनके नेतृत्व वाले मंत्रिमंडल द्वारा आरएसएस की गतिविधियों, जिनमें सड़कों पर मार्च करना और सार्वजनिक स्थानों व सरकारी परिसरों में कार्यक्रम आयोजित करना शामिल है, पर लगाम लगाने के लिए नियम बनाने के फैसले के एक दिन बाद आई है। कैबिनेट के इस फैसले, जिसे व्यापक रूप से आरएसएस के कार्यक्रमों के खिलाफ बताया जा रहा है, पर स्पष्टीकरण देते हुए सिद्धरमैया ने कहा, यह सिर्फ आरएसएस के लिए नहीं है। उन्होंने कहा, सरकार की अनुमति के बिना किसी भी संगठन को गतिविधियां चलाने की अनुमति नहीं है। यह नियम दरअसल भाजपा द्वारा लाया गया था जब मुख्यमंत्री जगदीश शेट्टर थे।' साल 2013 में, शेट्टर के नेतृत्व वाली सरकार ने एक परिपत्र जारी किया था, जिसमें स्कूल परिसरों और उससे जुड़े खेल के मैदानों का इस्तेमाल केवल शैक्षणिक उद्देश्यों के लिए करने का आदेश जारी किया गया था।

पिछड़े वर्गों का सर्वेक्षण समझना गलत

सिद्धारमैया ने कहा कि इस सर्वेक्षण को पिछड़े वर्गों का सर्वेक्षण समझना गलत है। उन्होंने आगे कहा, केंद्र सरकार आने वाले दिनों में जाति जनगणना भी कराएगी। क्या वे तब भी सहयोग नहीं करेंगे? हो सकता है कि वे अपनी गलत सूचना के कारण ऐसा अवज्ञा कर रहे हों। राज्य की आबादी लगभग सात करोड़ है, और यह इन लोगों का आर्थिक, शैक्षिक और सामाजिक सर्वेक्षण है। उन्होंने आगे कहा कि इस पहल में सभी वर्गों के लोग शामिल हैं। उन्होंने कहा, यह एक सर्वेक्षण है जो पूरी आबादी को शामिल करते हुए किया जा रहा है। शक्ति योजना के तहत, गरीब और उच्च जाति के सभी लोगों को शामिल किया जाएगा। इस बारे में गलत जानकारी फैलाई जा रही है। सरकार ने विज्ञापनों के माध्यम से मंत्रियों और मुख्यमंत्री के संदेश लोगों तक पहुंचाए हैं। यह राज्य के सात करोड़ लोगों का सर्वेक्षण है।

सीएम मान ने भगत सिंह के ऐतिहासिक फुटेज के लिए ब्रिटेन से मांगा सहयोग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने भगत सिंह का एक दुर्लभ वीडियो फुटेज हासिल करने में राज्य सरकार की सहायता के लिए ब्रिटेन के कानूनी समुदाय से सहयोग मांगा है। मान ने अपने आवास पर 'इंग्लैंड और वेल्स बार काउंसिल' के एक प्रतिनिधिमंडल से कहा कि महान स्वतंत्रता सेनानी भगत सिंह का भारत में कोई वीडियो रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं है। एक बयान के अनुसार उन्होंने कहा कि हालांकि यह पता चला है कि स्कॉटलैंड यार्ड के पास भगत सिंह का दुर्लभ फुटेज हो सकता है, खासकर उनकी गिरफ्तारी और मुकदमे के समय का। मान ने कहा कि इस तरह के फुटेज भगत सिंह का बेहद सम्मान करने वाले सभी भारतीयों, खासकर पंजाबियों के लिए बहुत महत्व रखते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार इस फुटेज को हासिल करने के लिए पहले से ही गंभीर प्रयास कर रही है ताकि यह भावी पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बन सके। मान ने एक अन्य एजेंडे पर बात करते हुए, ब्रिटिश निवेशकों से पंजाब में निवेश आकर्षित करने के लिए भी 'बार काउंसिल' से मजबूत समर्थन और सहयोग मांगा। इससे पहले पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने हाल ही में प्रमुख उद्योगपतियों से मुलाकात की और पंजाब को एक प्रमुख निवेश स्थल के रूप में स्थापित किया। उन्होंने राज्य के शांतिपूर्ण वातावरण, मज़बूत बुनियादी ढांचे, कुशल कार्यबल और निर्बाध बिजली आपूर्ति को उद्योगों के विकास के लिए आदर्श परिस्थितियों के रूप में रेखांकित किया।

भारत और आस्ट्रेलिया के बीच पहला वनडे कल

» गिल पहली बार वनडे में संभालेंगे टीम की कमान

» विराट कोहली और रोहित के लिए अहम है सीरीज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पर्थ। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच होने वाली सीरीज में तीन मुकाबले खेले जाएंगे, जिसका आगाज 19 अक्टूबर यानी कल से पर्थ में होने जा रहा है। इसके बाद दूसरा मैच 23 अक्टूबर को खेला जाएगा। सीरीज का आखिरी मैच 25 अक्टूबर को होगा। दूसरा मैच एडिलेड में और तीसरा सिडनी में होना है। भारतीय समय अनुसार ये मैच सुबह 9 बजे से शुरू होंगे। वैसे तो भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच जब भी कोई मैच होता है तो रोमांच अपने चरम पर होता है, लेकिन इस बार रोहित और कोहली के कारण फैंस को बेसब्री से इंतजार है।

सीरीज में एक बार फिर से विराट कोहली और रोहित शर्मा खेलते हुए नजर आएंगे, इसलिए इसको लेकर काफी कौतूहल देखा जा रहा है। माना जा रहा है कि इस सीरीज में रोहित और कोहली कैसा प्रदर्शन करते हैं, इसी आधार पर तय होगा कि आने वाले कितने और साल ये दोनों खेल पाते हैं। वैसे तो दोनों की कोशिश होगी कि साल 2027 में होने वाले वनडे वर्ल्ड कप तक खेला जाए, लेकिन उनका फार्म क्या कह रहा है, ये देखना भी काफी दिलचस्प होगा। इस बीच शुभमन गिल पहली बार भारत की वनडे टीम की कप्तानी करते हुए नजर आएंगे। इससे पहले वे टी20 और टेस्ट में तो ये काम कर चुके हैं, लेकिन वनडे में उन्हें पहली बार मौका दिया गया है। विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे सीनियर खिलाड़ियों और युवा प्लेयर्स के बीच शुभमन गिल कैसे सामन्जस्य बनाते हैं, ये देखना भी काफी दिलचस्प होने वाला है। कुल मिलाकर मैच भले ही तीन हों, लेकिन इसको लेकर उत्सुकता काफी है और पूरी उम्मीद है कि मैच भी रोचक होंगे। इस बीच आप मैच शुरू होने का टाइम जरूर याद रखिएगा, जो हमने आपको बताया है।

ऑस्ट्रेलिया को बड़ा झटका, कैमरून ग्रीन पूरी सीरीज से बाहर

सिडनी। वनडे सीरीज से पहले ऑस्ट्रेलियाई टीम को बड़ा झटका लगा है। ऑलराउंडर कैमरून ग्रीन चोटिल होने के कारण पूरी सीरीज से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह चयनकर्ताओं ने मार्नस लाबुशेन को टीम में शामिल किया है। ग्रीन को साइड सोरनेस (कमर की मांसपेशियों में खिंचाव) की शिकायत है और चयनकर्ता आगामी एशेज सीरीज को देखते हुए कोई जोखिम नहीं लेना चाहते। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने बयान जारी करते हुए कहा, ग्रीन थोड़े समय के रिहैब से गुजरेंगे और एशेज की तैयारी के तहत शेफील्ड शील्ड के तीसरे राउंड में वापसी करेंगे। उनका वनडे सीरीज से बाहर होना एक एहतियाती कदम है। मार्नस लाबुशेन को टीम में शामिल किए जाने के पीछे उनका घरेलू क्रिकेट में बेहतरीन प्रदर्शन रहा। उन्होंने हाल ही में क्वींसलैंड की ओर से शेफील्ड शील्ड में 159 रन की शानदार पारी खेली थी, जो इस सीजन में उनका चौथा शतक था।

बीसीसीआई को अफगान से सीखना चाहिए

» प्रियंका चतुर्वेदी ने अफगान के तीन क्रिकेटरों की मौत पर बोलीं- पाकिस्तान की सत्ता कायरों का झुंड है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। पाकिस्तान के हमले में अफगानिस्तान के तीन क्रिकेटरों की मौत के बाद अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने अगले महीने पाकिस्तान और श्रीलंका के साथ होने वाली ट्राई सीरीज से अलग होने की घोषणा की है। इस पर शिवसेना (उद्धव ठाकरे) की नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने पाकिस्तान की सत्ता को कायरों का झुंड बताया।

प्रियंका ने अफगानिस्तान के क्रिकेटर राशिद खान की पोस्ट को शेयर करते हुए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड को भी नसीहत देते हुए कहा कि भारत सरकार को भी खेलों से ज्यादा देश को प्राथमिकता देनी चाहिए।

प्रियंका ने लिखा- पाकिस्तान का सत्तातंत्र कायरों के झुंड से बना है जो निर्दोष लोगों के खून पर फलते-फूलते हैं और सीमाओं पर पिटते हैं। उन पर लानत है, ये देखकर अच्छा लगा कि अफगानिस्तान ने पाकिस्तान के साथ अपनी सीरीज रद्द कर दी है। काश बीसीसीआई और भारत सरकार भी इससे सीख पाती कि कैसे खेलों से ज्यादा देश को प्राथमिकता दी जाए। शिवसेना नेता ने हाल ही में एशिया कप में पाकिस्तान के साथ भारतीय क्रिकेट टीम के मैच खेलने पर सवाल उठाते हुए ये बात कही। बता दें कि पाकिस्तान द्वारा अफगानिस्तान पर किए हमले में तीन अफगान क्रिकेटरों की मौत हो गई। जिसके बाद एसीबी ने इस हमले पर दुख जताया और आगामी ट्राई सीरीज के लिए पाकिस्तान के दौरे को भी रद्द कर दिया। एसीबी ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर इसकी जानकारी दी।

पाकिस्तान ने निर्दोष नागरिकों को निशाना बनाया : राशिद

राशिद खान ने कहा की पाकिस्तान ने निर्दोष नागरिकों को निशाना बनाया जो पूरी तरह से अनैतिक और बर्बर है, ये अन्यायपूर्ण और गैरकानूनी कार्रवाइयां मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन हैं और इन्हें नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए,उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ आगामी मैचों से हटने के एसीबी के फैसले का भी स्वागत किया और कहा कि हमारी राष्ट्रीय गरिमा सबसे पहले आनी चाहिए।

पुलिस का दो पत्रकारों को गिरफ्तार करना लोकतंत्र पर हमला : अरूण यादव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान पुलिस द्वारा दो पत्रकारों, आनंद पांडे और हरीश दिवेकर की गिरफ्तारी को लोकतंत्र पर हमला बताते हुए पूर्व केंद्रीय मंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता अरुण यादव ने कहा कि उनकी निडर पत्रकारिता ने भाजपा की सरकार को डरा दिया है। पुलिस से इन गिरफ्तारियों की पुष्टि करने की कोशिश की गई, लेकिन कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। पुलिस गिरफ्तारी के बारे में कोई जानकारी साझा नहीं कर रही है।

यादव ने एक पोस्ट में कहा, जब सच बोलने वाले पत्रकार जेल में हों और झूठ फैलाने वाले आजाद घूम रहे हों, तो समझ लीजिए कि लोकतंत्र खतरे में है। उन्होंने कहा,राजस्थान पुलिस द्वारा 'द सूत्र' के संपादक आनंद पांडे और हरीश दिवेकर की गिरफ्तारी लोकतंत्र पर सीधा हमला है।

जो कहा था तीन महीने बाद वही हुआ: बेनीवाल

» सांसद बोले- जिसने कनेक्शन काटा, वही आकर जोड़ेगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नागौर। राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के संयोजक और नागौर से लोकसभा सांसद हनुमान बेनीवाल ने तीन महीने पहले जो कहा था, वही हुआ। उन्होंने कहा था कि जो उनके घर का बिजली कनेक्शन काट कर गया है, वही आकर इसे वापस जोड़ेगा। तीन महीने बाद बिजली विभाग के कर्मचारियों ने 2 जुलाई को कनेक्शन काटा था और अब शुक्रवार 17 अक्टूबर को वापस जोड़ दिया। राजस्थान हाईकोर्ट ने बिजली कनेक्शन बहाल करने के निर्देश दिए थे, जिसके बाद बिजली कनेक्शन वापस जोड़ा गया।

नागौर आवास का बिजली कनेक्शन बेनीवाल के भाई प्रेमसुख बेनीवाल के नाम है। करीब 11 लाख रुपये का बिल बकाया होने पर विभाग के कर्मचारियों ने कनेक्शन काट दिया था। इसके बाद प्रेमसुख ने राजस्थान हाईकोर्ट में याचिका दाखिल करते हुए कनेक्शन बहाल करने की मांग की। बेनीवाल ने कहा कि बिल का प्रकरण समझौता कमेटी के पास विचाराधीन है। ऐसे में कनेक्शन काटा जाना उचित नहीं है। हाईकोर्ट की एकलपीठ ने पिछले दिनों छह लाख रुपये जमा कराने पर बिजली कनेक्शन जोड़ने की अनुमति दी थी। अपील में कहा कि वे इस मामले को सेटलमेंट कमेटी के समक्ष ले जाने के लिए तैयार हैं और छह लाख रुपए भी जमा करवाने के लिए सहमत हैं। इस पर आंशिक संशोधन के बाद बिजली कनेक्शन बहाल करने के निर्देश दिए गए।

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने असम के गायक को श्रद्धांजलि देते हुए कहा-

जुबीन की मौत की सच्चाई सामने लाए सरकार

» राहुल गांधी ने कहा सिंगापुर की घटना पर पारदर्शिता और न्याय चाहिए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गुवाहाटी। लोकसभा नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने असम के कामरूप जिले में गायक जुबीन गर्ग की समाधि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद राहुल गांधी ने कहा कि मैंने परिवार से कहा कि मैं बेहतर परिस्थितियों और खुशहाल परिस्थितियों में आना पसंद करता।

राहुल गांधी ने आगे कहा कि आज, जब मैं आ रहा था, गौरव ने बताया कि जुबीन जी ने कहा था कि वह कंचनजंगा हैं, और मुझे तुरंत एहसास हुआ कि वह कंचनजंगा ही हैं क्योंकि उनमें कंचनजंगा के गुण थे... यह एक त्रासदी है जिसका सामना पूरे राज्य ने किया है। मैंने परिवार से बात की, और उन्होंने मुझसे बस एक ही बात कही हमने अपने जुबीन को खो दिया है और हम बस यही चाहते हैं कि सच्चाई सामने आए... सरकार का कर्तव्य है कि जो कुछ हुआ है उसकी तुरंत जाँच करे, पारदर्शी तरीके से जाँच करे, और परिवार को बताए कि सिंगापुर में क्या हुआ था।

भारत रत्न की मांग पर बोले मैं विषय से भटकना नहीं चाहता

यह पूछे जाने पर कि क्या वह दिवंगत गायक जुबीन गर्ग के लिए भारत रत्न की मांग करेंगे, विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा, मैं विषय से भटकना नहीं चाहता। मैं चर्चा को संवेदना व्यक्त करने और असम के लोगों को यह बताने से नहीं भटकाना चाहता कि हम जुबीन गर्ग से प्यार करते हैं। हम उन्हें सम्मान देना चाहते हैं। लेकिन सबसे पहले, हम पारदर्शिता और न्याय चाहते हैं। सिंगापुर में जो हुआ, असम में हर किसी को यह पता होना चाहिए। और यह जितनी जल्दी हो, उतना ही बेहतर है।

कंचनजंगा पर्वत ईमानदार पारदर्शी, अडिग और सुंदर

कांग्रेस नेता ने कहा जब मैं 17 साल का था, तब मैं सिक्किम में पर्वतारोहण का कोर्स करने गया था। और हर दिन जब हम प्रशिक्षण के लिए जाते थे, तो मैं अपने सामने कंचनजंगा पर्वत को देखता था। और मुझे उस पर्वत की सबसे अच्छी बात यह लगी कि वह ईमानदार, पारदर्शी, अडिग और सुंदर था।

राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि मामले में सावरकर के पोते ने पुणे की अदालत में गवाही दी

वी. डी. सावरकर के पोते सत्यकी सावरकर ने हिंदुत्व विचारक के बारे में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बयानों से जुड़े मानहानि मामले में यहां एक विशेष अदालत के समक्ष शिकायतकर्ता सत्यकी सावरकर का प्रतिनिधित्व कर रहे अधिवक्ता संग्राम कोल्हटकर ने कहा कि गवाही के दौरान उनके मुवक्किल की मुख्य जिरह का एक हिस्सा रिकॉर्ड किया गया। कोल्हटकर ने कहा, "इसमें उन्होंने अपनी पारिवारिक पृष्ठभूमि के बारे में जानकारी दी और बताया कि उन्हें मार्च 2023 में लंदन में दिए गए राहुल गांधी के भाषण का एक ऑनलाइन लिंक किस तरह मिला। उस भाषण में गांधी ने दावा किया था कि वी. डी. सावरकर ने एक किताब में लिखा है कि उन्होंने और उनके पांच-छह दोस्तों ने एक बार एक मुस्लिम व्यक्ति की पिटाई की थी और उन्हें इस बात से खुशी हुई थी। मामले में गांधी का प्रतिनिधित्व कर रहे अधिवक्ता मिलिंद पवार ने सत्यकी सावरकर द्वारा प्रस्तुत आवेदन पर पक्ष रखने के लिए समय मांगा। सत्यकी सावरकर द्वारा प्रस्तुत आवेदन में कहा गया था कि महात्मा गांधी की हत्या नाथूराम गोडसे ने की थी; हालांकि हत्या के बाद गोडसे के परिवार का कोई सामाजिक बहिष्कार नहीं किया गया था। अधिवक्ता पवार ने तर्क दिया कि अर्जी को ध्यान से पढ़ने से पता चलता है कि शिकायतकर्ता अप्रत्यक्ष रूप से महात्मा गांधी की हत्या को उचित ठहरा रहा है। उन्होंने आगे कहा कि आवेदन में पेश की गयी दलील पूरी तरह से ऐतिहासिक घटनाओं पर आधारित है, इसलिए विस्तृत जवाब देने से पहले उन ऐतिहासिक तथ्यों और अभिलेखों का सत्यापन आवश्यक है। पवार ने बताया कि अब मामले की सुनवाई की तारीख सात नवंबर निर्धारित की गई है।

ब्रह्मोस की जद में पाकिस्तान की हर इंच जमीन: राजनाथ

» रक्षामंत्री ने लखनऊ में ब्रह्मोस मिसाइल की पहली खेप को हरी झंडी दिखाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को ऑपरेशन सिंदूर की सफलता की सराहना करते हुए कहा कि भारत की सैन्य ताकत उस मुकाम पर पहुंच गई है जहां जीत एक आदत बन गई है। लखनऊ में एक जनसभा को संबोधित करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर ने साबित कर दिया है कि जीत अब हमारे लिए कोई मामूली बात नहीं है। जीत हमारी आदत बन गई है।

राजनाथ सिंह और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ स्थित ब्रह्मोस एयरोस्पेस इकाई में निर्मित ब्रह्मोस मिसाइलों की पहली खेप को हरी झंडी दिखाई।राजनाथ सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में जो हुआ वह तो बस एक ट्रेलर था। लेकिन उस ट्रेलर ने ही पाकिस्तान को यह एहसास करा दिया कि अगर भारत पाकिस्तान को जन्म दे सकता है, तो मुझे इस बारे में और कुछ कहने की जरूरत नहीं है कि वह और क्या कर सकता है। उन्होंने कहा कि हर एक मिसाइल सिर्फ हमारी रक्षा नहीं करती, बल्कि हमारी अर्थव्यवस्था को भी ताकत दे रही है। मिसाइल के उत्पादन से मिलने वाले टैक्स से, सरकार कई स्कूल बना सकती है, कई हॉस्पिटल खड़े कर सकती है, और ऐसी योजनाएं चला सकती है, जो सीधे आम आदमी की जिंदगी को बेहतर करें। यानी ब्रह्मोस सिर्फ हथियार नहीं है, यह हमारे बच्चों के लिए शिक्षा, हमारे परिवारों के लिए स्वास्थ्य देखभाल और पूरे समाज के लिए अवसर का रास्ता भी खोलता है।

जम्मू-कश्मीर के लोगों को राहत देने वाले विधेयक को नहीं रोकेगी सरकार: अब्दुल्ला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर की राजनीति में एक दिलचस्प मोड़ आया है। । कट्टर राजनीतिक विरोधी माने जाने वाले नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) के बीच संभावित समझौते के संकेत मिल रहे हैं। इस बीच मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने साफ कहा है कि उनकी सरकार जनता के हित में आने वाले किसी भी विधेयक को नहीं रोकेगी।

दरअसल, यह बयान तब आया जब पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने राज्यसभा चुनावों में अपने दल के समर्थन को विधानसभा में निजी विधेयकों के समर्थन से जोड़ने की बात कही थी। इसके कुछ ही घंटे बाद, उमर अब्दुल्ला ने स्पष्ट किया कि विधेयक को सदन में पेश करने का अधिकार विधानसभा अध्यक्ष का होता है, लेकिन उनकी पार्टी किसी भी जनहितैषी कानून का विरोध नहीं करेगी। हम किसी भी कानून के रास्ते में नहीं बनेंगे बाधा - मीडिया से बातचीत में उमर अब्दुल्ला ने कहा कि मैं ऐसे किसी विधेयक पर टिप्पणी नहीं करूंगा जो अभी तक सदन में पेश नहीं हुआ है।

जब तक कोई विधेयक सदन की संपत्ति नहीं बनता, वह अध्यक्ष की संपत्ति होता है। कौन सा विधेयक सूचीबद्ध होगा, यह अध्यक्ष तय करते हैं। उन्होंने आगे कहा कि नेशनल कॉन्फ्रेंस के सहयोगी सदस्य भी कई निजी विधेयक लेकर आते हैं, इसलिए यह स्वाभाविक प्रक्रिया है। उन्होंने कहा कि अगर कोई विधेयक जनता के हित में है, तो हमें उसका समर्थन करने में कोई आपत्ति नहीं होगी। हम किसी भी कानून के रास्ते में बाधा नहीं बनेंगे।

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि सरकार सभी विधेयकों पर विचार के लिए तैयार है और किसी भी प्रस्ताव को सीधे खारिज नहीं किया जाएगा। साथ ही कहा कि मैं अध्यक्ष की शक्तियों में हस्तक्षेप नहीं करूंगा। यदि कोई विधेयक सदन में आता है, तो हम उसका निष्पक्ष मूल्यांकन करेंगे।

रायबरेली में सिलेंडर लीकेज से लगी आग, पांच झुलसे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रायबरेली। भदोखर के एकसाना गांव स्थित एक मकान में शनिवार की सुबह सिलेंडर में लीकेज के कारण आग लग गई। घटना में एक किशोरी समेत पांच लोग झुलस गए। सभी को आनन फानन जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका उपचार किया जा रहा है।अस्पताल आए एक्साना गांव निवासी रोहित ने बताया कि सुबह उनकी बहन काजल ने चाय बनाने के लिया गैस चूल्हा जलाया।

सिलेंडर में लीकेज के कारण आग लग गई। हादसे में काजल व छोटी बहन साधना आग की चपेट ने आ गई। यह देख राहुल, राजकुमार व रामा देवी उन्हें बचाने दौड़े, जिसे सभी आग में झुलस गए। देखते ही देखते आग ने बाहर रखे छप्पर को भी अपनी चपेट में ले लिया। चीख पुकार सुन आसपास ले लोगों ने किसी तरह आग पर काबू पाया। इसके बाद साधना, काजल समेत पांचों लोगों को जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका उपचार किया जा रहा है। चिकित्सक के मुताबिक साधना व काजल की हालत गंभीर है। थानाध्यक्ष भदोखर राकेश चंद्र का कहना है कि घटना की जानकारी नहीं है।

गरीब रथ में लगी भीषण आग, बाल-बाल बचे लोग

» लुधियाना से दिल्ली जा रही थी ट्रेन, धू-धू कर जलने लगीं बोगियां

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। धनतेरस के दिन लुधियाना से दिल्ली जा रही गरीब रथ ट्रेन में शनिवार सुबह बड़ा हादसा हो गया। पंजाब के सरहिंद स्टेशन के करीब पहुंचते ही ट्रेन संख्या 12204 अमृतसर-सहरसा के एक डिब्बे में भीषण आग लग गई।

शुरुआती जानकारी के अनुसार, 19 नंबर बोगी में यह आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगी, इस ट्रेन में लुधियाना

के कई व्यापारी सफर कर रहे थे। आग लगते ही वहां अफरातफरी मच गई। लोको पायलट ने मुस्तैदी दिखाते हुए इमरजेंसी ब्रेक लगाकर ट्रेन को तुरंत रोका, जिसके बाद बोगी में सवार यात्री अपना सामान लेकर तुरंत नीचे उतरे। अफरातफरी के बीच ट्रेन से उतरने में कई यात्रियों को चोटें भी आई हैं।

ट्रेन में आग लगने की घटना सुबह 7 बजे की है। सूचना मिलते ही रेलवे और पुलिस की टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं। आग पर काबू पाने में करीब एक घंटा लग गया। आग में एक महिला के झुलसने की भी खबर है। यात्रियों के मुताबिक, ट्रेन ने सुबह 7।30 बजे सरहिंद स्टेशन क्रॉस किया था। इसी दौरान एक यात्री को ट्रेन की बोगी नंबर 19 से धुआं उठता दिखा। उसने तुरंत शोर मचाते हुए चेन खींच दी। धुएं के साथ आग की लपटें भी उठने लगी तो अफरातफरी मच गई। आग की सूचना मिलते ही रेलवे, फायर ब्रिगेड और पुलिस टीमें तुरंत मौके पर पहुंची और राहत-बचाव कार्य शुरू किया। वहां मची अफरातफरी के बीच यात्री बोगी से उतरने लगे। इस दौरान कई यात्री चोटिल भी हो गए।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।